(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शुक्रवार, 20 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 244 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हिबा नवाब ने जीजाजी छत...8

मेरठ में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

मेरठ में फर्जी तरीके से कई राज्यों में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का सर्विलांस सेल और पल्लवपुरम पुलिस ने छापा मारी कर भंडाफोड़ किया। इस मामले में गैंग के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि गिरोह के सरगना की तलाश में मेरठ पुलिस बिहार पुलिस संपर्क साधने में जुट गई है। पकड़े गए आरोपी के पास से लैपटॉप, प्रिंटर, भारी संख्या में बने हुए आधार कार्ड और अन्य कागजात भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को जांच में पता चला है कि दोनों ने एक हजार से अधिक लोगों फर्जी आधार कार्ड बनाए हैं। पुलिस ने जिसकी जांच शुरू कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

फर्जी आधार कार्ड बनाए जाने की लगातार शिकायत मिल रही थी। मंगलवार देर रात सर्विलांस टीम को मोदीपुरम की दुर्गा कॉलोनी स्थित एक मकान में आधार कार्ड बनाए जाने की सूचना मिली। जिस पर टीम ने पल्लवपुरम पुलिस के साथ मिलकर दुर्गा कॉलोनी में हरिशंकर के यहां छापा मारा। छापे के दौरान हरिशंकर फर्जी आधार कार्ड बनाते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने उसके पास से पांच लैपटॉप, पांच मोबाइल, एक हार्ड डिस्क, एक बारकोड स्कैनर, दो लैपटॉप चार्जर, आधार कार्ड के भारी मात्रा में प्रिंट आउट बरामद किए। पुलिस ने पूछताछ के बाद हरिशंकर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। पल्लवपुरम थाना प्रभारी देवेश शर्मा का कहना है कि सरगना की तलाश की जा रही

है। पुलिस हिरासत में हरिशंकर ने बताया कि उसके पिता सीताराम मोदीपुरम स्थित टायर फैक्टरी में काम करते थे। उनकी मृत्यु के बाद परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी उस पर आ गई। जिस पर उसने एक एजुकेशन सेंटर पर कार्य करना शुरू किया। दो साल पहले उसके फोन पर फोन आया, जिसने अपना नाम अभिनव निवासी बिहार बताया। उसने एक सॉफ्टवेयर बनाने के लिए उसे 40 हजार रुपये देने की बात कहीं और उसने सॉफ्टवेयर बना दिया। जिसके बाद अभिनव ने उसके खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद अभिनव का दोबारा फिर फोन आया और फर्जी आधार कार्ड बनाने के लिए उससे बात की। जिस पर दोनों मिलकर कार्य करने लगे। अभिनव ऑनलाइन उसे आधार कार्ड बनाने का ब्यौरा भेजता था। हरिशंकर ने बताया कि वह प्रतिदिन 15 सौ से दो हजार आधार कार्ड बनाता था।हरिशंकर ने बताया कि दो साल पहले उसने यह कार्य शुरू किया था। उसे एक आधार कार्ड बनाने पर 85 पैसे का लाभ मिलता था। आधार कार्ड को वह अभिनव के लिए बनाई गई वेबसाइट पर ऑनलाइन भेज देता था और अभिनव को जब रुपये मिल जाते थे तो वह उसके हिस्से के पैसे उसे ऑनलाइन भेज दिया करता था। हरिशंकर के अनुसार दो साल में वह 20 से 22 लाख रुपये कमा चुका है।

फर्जी आधार कार्ड का भंडाफोड़ होने के बाद साइबर सेल बिहार पुलिस से संपर्क साधने में जुट गई है। ताकि, मुकदमें में हरिशंकर के साथ आरोपी बनाए गए अभिनव की भी जल्द गिरफ्तारी कर सके। पुलिस का मानना है कि अभिनव बाहर से आने वाले लोगों के फर्जी आधार कार्ड बनाता था। ताकि, उन्हें उस राज्य की नागरिकता मिल सके। अभिनव के साथ इस गिरोह में कौन कौन जुड़े है। इसको लेकर साइबर सेल जांच में जुट गई है।

मेरी अभिलाषा जनता की सेवा करना है, मेरी कोई राजनैतिक अभिलाषा नहीं : ज्योतिरादित्य सिंधिया

भोपाल। मध्य प्रदेश से

राज्यसभा सांसद और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जनता से आशीर्वाद लेने इंदौर पहुंच गए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया पूरे दिन इंदौर में रहेंगे और 6 विधानसभाओं से 19 किलोमीटर की जन आशीर्वाद यात्रा निकालेंगे। बताया जा रहा है कि 19 किलोमीटर के भीतर 500 स्थानों पर सिंधिया के स्वागत के लिए मंच सजाए गए हैं। 7 घंटे की उनकी यात्रा का गुरुवार शाम समापन होगा। वहीं खजराना के गणेश मंदिर में पूजा कर इस यात्रा का सिंधिया समापन करेंगे। इससे पहले सिंधिया गुरुवार सुबह बीजेपी कार्यालय पहुंचे और जनसंघ की संस्थापक राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट सहित भाजपा के कई विधायक और पदाधिकारी मौजूद थे। वहीं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान है और उनके ही नेतृत्व में पार्टी काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी कोई राजनीतिक अभिलाषा नहीं रही है। मेरी अभिलाषा सिर्फ जनता की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि महाराजा मेरा अतीत था लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया मेरा वर्तमान है। सिंधिया ने कहा कि मेरे पूर्वजो में मुगलों से लड़ाई की थी। मेरे परिवार का इतिहास गौरवशाली रहा है। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में सभी को तकफीलो से दूर रखा और बाढ़ पीड़ितों के लिए बहुत काम किया और निरंतर करते जा रहे है। उन्होंने कहा कि कैलाश विजयवर्गीय के साथ मिलकर इंदौर का विकास का कार्य करेंगे। सिंधिया ने कहा कि जल्द ही ड्रोन टेक्नोलॉजी बनाई जाएगी और इसके लिए लोगों को गाइडलाइन जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही ड्रोन उड़ाने के लिए लाईसेंस बनाए जाएंगे।

विधानसभा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ – कुछ लोग कर रहे हैं तालिबान का समर्थन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज विधानसभा में अपना संबोधन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के कामकाज को गिनाया। साथ ही साथ विपक्ष पर भी तंज कसा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 5 वर्ष के दौरान प्रदेश में बजट का दायरा लगभग दोगुना हुआ। आज हम लगभग 6 लाख

करोड़ रुपये तक बजट के दायरे को पहुंचाने में सफल रहे हैं। बड़ी सोच, बड़े कार्य तो बजट का दायरा भी बड़ा होगा। प्रदेश की ळैक्च 5 वर्ष पहले 10–11 लाख करोड़ के आसपास थी आज हम इसे 20–21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचें में सफल हुए हैं। 2015–16 में उत्तर प्रदेश देश अर्थव्यवस्था में 6 नंबर पर थे। उत्तर प्रदेश आज नंबर 2 की अर्थव्यवस्था बनी है।

अपने संबोधन के दौरान योगी ने दावा किया कि यह पहली महामारी है जिसमें एक भी गरीब भूखा नहीं मरा। हमें महामारी को तो स्वीकार करना होगा नहीं तो बीमारी के उपचार के लिए और बीमारी से बचाव के लिए कोई अभियान आगे नहीं बढ़ पाएगा। व्यवसाय की सुगमता क्या होनी चाहिए इसपर हमने व्यापक संशोधन किए, नीतियां बनाई जिसके परिणाम सामने हैं। अगर दुनिया में भारत निवेश का सबसे अच्छा देश है, तो देश में उत्तर प्रदेश सबसे अच्छा गंतव्य है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस में उ.प्र. 16वें स्थान से दूसरे स्थान पर आया है

उन्होंने आगे कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कोविड के लिए 4 लाख टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता विकसित कर ली है। अब तक 7 करोड़ टेस्ट उत्तर प्रदेश में किए जा चुके हैं। अफगनिस्तान के हालात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। वहां महिलाओं और बच्चों के साथ क्या क्रूरता की जा रही है। परन्तु कुछ लोग बेशर्मी से तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। इन सभी के चेहरे एक्सपोज किए जाने चाहिए।

विधायक राजा भैया की मांग, बॉक्सर सतीश कुमार यादव को मिले सम्मान

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत का शानदार प्रदर्शन रहा है। भारत ने इसमें एक स्वर्ण, दो रजत और 4 कांस्य के साथ को 7 पदक जीते हैं। इन सबके बीच देश बॉक्सर सतीश कुमार यादव की भी खूब वाहवाही कर रहा है जिन्होंने गहरी चोट और 11 टांके के बावजूद हौसला नहीं हारा और अपना शानदार खेल दिखाया। इसी को लेकर अब प्रतापगढ़ के विधायक राजा भैया ने मुक्केबाज सतीश कुमार यादव के हौसले को लेकर ट्वीट किया है। इसके अलावा राजा भैया ने सतीश कुमार यादव के लिए सम्मान की मांग भी कर दी है। अपने ट्वीट में राजा भैया ने कहा कि माना कि ओलिम्पिक पदक विजेताओं के बराबर उन्हें पुरस्कार राशि नहीं दी जा सकती पर बुलन्दशहर के सूबेदार सतीष यादव ने टोक्यो में बॉक्सर उज्बेक बखघेदिर का अदम्य साहस के साथ मुकघबला किया, उन्हें चेहरे पे गहरी चोटें आयीं,11 टाँके लगे। निहसंदेह वो सभी भारतीयों के प्रोत्साहन के पात्र हैं। आपको बता दें कि सतीश कुमार यादव उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के निवासी हैं। उन्हें टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उनका मुकाबला मौजूदा विश्व और एशियाई चौंपियन उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव से हुआ था। जब सतीश का मुकाबला हुआ था तब उन्हें गहरी चोट लगी थी और चेहरे पर कुल 11 टांके पड़े थे। दरअसल, बखोदिर जलोलोव से पहले सतीश कुमार का मुकाबला रिकार्डो ब्राउन से हुआ था। इसी मुकाबले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

दिलीप घोष को अपने पाले में करने की कोशिश में ममता बनर्जी ! चाय पर आमंत्रण से सियासी अटकलें तेज

राजनीति में ना तो दुश्मनी स्थाई है और ना ही दोस्ती। राजनीति में बनते–बिगड़ते समीकरणों के बीच दोस्ती और दुश्मनी भी बनती–बिगड़ती रहती है। पश्चिम बंगाल में दोबारा सत्ता में वापसी के बाद ममता बनर्जी सियासी समीकरणों को अपने पक्ष में साधने की कोशिश में जुट गई हैं। हाल में ही पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को ममता बनर्जी की ओर से चाय पर आमंत्रण मिला। भले ही यह एक औपचारिक राजनीतिक मुलाकात हो सकती है लेकिन इसके बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। विश्लेषकों का दावा है कि ममता बनर्जी अब भाजपा की राह पर निकल चुकी हैं। जिस तरह विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने में जुटी थी अब वही काम ममता बनर्जी करने की कोशिश में हैं। ममता बनर्जी भाजपा को अब

बांटने की कवायद में जुट गई हैं। पहले मुकुल रॉय को अपने पक्ष में किया अब उनकी नजर दिलीप घोष पर है। दरअसल, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ममता बनर्जी ने एक चाय पार्टी रखी थी। चाय पार्टी में भाजपा नेता दिलीप घोष, तथागत रॉय और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। इसी दौरान ममता बनर्जी ने दिलीप घोष को राज्य सचिवालय में चाय पर आमंत्रण दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री की ओर से दिलीप घोष को काली पूजा में भी आने का न्योता दिया गया। दिलीप घोष ने भी ममता का आमंत्रण स्वीकार किया। इसके बाद अब बंगाल भाजपा में भी इस बात को लेकर खूब चर्चा है। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में दिलीप घोष भाजपा का मजबूत चेहरा माने जाते हैं। दिलीप घोष के अलावा मुकुल रॉय और बाबुल सुप्रियो भी बंगाल भाजपा के कद्दावर नेताओं में से थे। लेकिन दिलीप घोष अपनी पुरानी पार्टी में लौट चुके हैं तो वही बाबुल सुप्रियो ने भाजपा से अलग होने का ऐलान कर दिया है। विधानसभा चुनाव के बाद कई भाजपा नेता तृणमूल में शामिल हो गए थे। दिलीप घोष के समर्थक उन्हें बंगाल में भाजपा को फिर से जीवंत करने का श्रेय देते हैं। हाल में ही शुभेंदु अधिकारी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था जिसको लेकर मुकुल रॉय नाराज हो गए थे और माना जा रहा है कि दिलीप घोष भी पार्टी के इस कदम से नाराज हैं।

लोकसभा अध्यक्ष से मिले IIMC के महानिदेशक, संस्थान द्वारा किये जा रहे रचनात्मक कार्यों की दी जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को संस्थान की वर्तमान शैक्षिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों की जानकारी दी और आईआईएमसी की शोध पत्रिका श्संचार माध्यमश के श्भारत में मीडिया शिक्षा के 100 वर्षश विषय पर केंद्रित विशेषांक की प्रति भेंट की। इस अवसर पर प्रो. द्विवेदी ने कोविड काल के दौरान आईआईएमसी द्वारा मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नए प्रयोगों से श्री बिरला को अवगत कराया। प्रो. द्विवेदी ने संस्थान की भविष्य की योजनाओं के विषय में भी लोकसभा अध्यक्ष से चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा अपने पुस्तकालय का नाम भारत में हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत करने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर रखने की सराहना भी की। श्री बिरला ने कहा कि आईआईएमसी का यह पुस्तकालय हिंदी पत्रकारिता के प्रवर्तक पं. शुक्ल के नाम पर देश का पहला स्मारक है। इसके लिए प्रो. संजय द्विवेदी प्रशंसा के पात्र हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना की चुनौतियों के बीच भारतीय जन संचार संस्थान को अभी और आगे जाना है। आईआईएमसी को अब जनसंचार शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर स्वयं को स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने तालिबानियों का समर्थन कर रहे लोगों को दी चेतावनी

भोपाल। तालिबानियों ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है। इसे लेकर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें भारत के एक मौलाना तालिबानियों का समर्थन कर रहे हैं । देश में तालिबानियों का समर्थन कर रहें लोगों को कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों की सोच को सरक्षण देने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल तालिबानियों का समर्थन करने वाले लोगों को चेतावनी देते हुए सारंग ने कहा कि अपनी मानसिकता और शब्दावली को सुधारें। इस तरह की बातें देश में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देश में इस तरह की मानसिकता और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी। आपको बता दें कि तालिबान के द्वारा अफगानिस्तान में कब्जा करने का देश के भीतर कई लोगों ने समर्थन किया था।

मुश्किल में भी अपनों का साथ नहीं छोड़ते हम भारतीय, काबुल में फंसे खोजी कुत्तों की भी हुई वतन वापसी

भारत और भारत की संस्कृति में अपनत्व का बहुत महत्व है। अपनत्व और प्रेम ही तो है जो मुश्किल में भी एक दूसरे का साथ बनाए रखता है। भारत के लोग की खासियत यही है कि वह मुश्किल वक्त में भी अपनों को अकेला नहीं छोड़ते चाहे कोई भी हो। एक दूसरे से हम इतना हिल मिल जाते हैं कि हम सभी के लिए स्नेह की भावना रखते हैं। अगर हम अपने साथ बेजुबान को भी रखते हैं तो उसके प्रति भी हमारे अंदर स्नेह का भाव उत्पन्न हो जाता है। कुछ ऐसा ही का देखने को मिल भी रहा है। काबुल से जो भारतीयों को लेकर विमान वापस आया है उनमें तीन खोजी कुत्ते भी शामिल है जिन्हें अंग्रेजी में ैदर्पामित क्वहे कहते हैं। इनके नाम माया, रूबी और बॉबी बताया जा रहा है जो भारतीय दूतावास में तैनात थे। जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में लगे भारतीय दूतावास के लोग इन्हें अपने साथ लाना नहीं भूले।

आपको बता दें कि अफगानिस्तान में भारत ने अपने दूतावास को बंद कर दिया है। इसके बाद राजदूत और कर्मचारियों को स्वदेश लाया जा रहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई के खबर के मुताबिक मंगलवार को जब भारतीय वायुसेना का विमान काबुल से वापस लौटा तो उसमें तीन कुत्ते भी शामिल

थे। फिलहाल उन खोजी कुत्ते को भारत तिब्बत सीमा पुलिस यानी आईटीबीपी के छावला कैंप में रखा गया है। यह कुत्ते गाजियाबाद के हिंडन वायु सेना हवाई अड्डे पर उतरे थे। आपको बता दें कि तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान से आईटीबीपी के 99 कमांडों की एक टुकड़ी तीन खोजी कुत्तों के साथ एक सैन्य विमान से वापस वतन आ गई है। आईटीबीपी के प्रवक्ता विवेक कुमार पांडे ने बताया कि इसके साथ ही काबुल में दूतावास, अफगानिस्तान में भारत के चार वाणिज्य दूतावास और राजनयिकों की सुरक्षा के लिए तैनात हमारी पूरी टुकड़ी वापस आ गई है। कमांडो, दूतावास के कर्मचारियों और अन्य भारतीय नागरिकों के साथ वापस आए हैं। हिंडन में उतरने के बाद आईटीबीपी टुकड़ी के कमांडर रविकांत गौतम ने कहा कि यह चुनौतीपूर्ण अभियान था, क्योंकि हम एक ऐसे देश से अपने लोगों को निकाल रहे थे, जहां सैन्यबलों की तैनाती नहीं है। भारत ने प्रयासों में बड़ा अच्छा तालमेल रखा एवं हमारे कमांडों ने जमीनी स्तर पर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने कहा कि उनके जवान पिछले तीन–चार दिनों से सोये नहीं हैं और आखिरकार आज रात वे गहरी नींद लेंगे। कमांडो को आईटीबीपी की बसों में हिंडन एयर बेस से पृथकवास केंद्र ले जाया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कमांडो अपने साथ एके सीरीज के हथियार, बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट, संचार उपकरण, गोला–बारूद और तीन खोजी कुत्ते भी साथ लाए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत रुद्रेंद्र टंडन सहित तीस राजनयिक, आईटीबीपी के 99 कमांडो और 21 नागरिक वायु सेना के सी–17 ग्लोबमास्टर विमान में सवार थे।

पिकअप की टक्कर से युवक घायल,भर्ती

गोण्डा।थाना खरगूपुर क्षेत्र के पिपरा बाजार निवासी कृष्ण कुमार को सुबह एक पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दिया। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने बताया कि वह किसी काम से पैदल जा रहा था तभी एक पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दिया। टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया।

आमने सामने दो बाइकों की टक्कर में दो घायल

गोण्डा।कोतवाली देहात क्षेत्र के पड़री कृपाल निवासी राज कपूर वर्मा व रामा देवी को सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दिया। जिसमें राजकपूर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी मां को मामूली चोटें आई। परिजनों ने बताया कि बाइक से मां का इलाज कराने गोण्डा की ओर आ रहा था तभी सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर मार कर फरार हो गया।

संदिग्ध अवस्था मे महिला की जलकर हुई मौत

गोण्डा। नवाब गंज थाना क्षेत्र के बल्ली पुर गांव के निवासी 25 वर्षीय रंजू देवी पत्नी राम बाबू बीते 13 अगस्त को संदिग्ध अवस्था मे आग लगने से जल गई थी। बचाते समय उस का पति राम बाबू भी जल गया था। घायल अवस्था मे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सुबह रंजू देवी की मौत हो गई। पुलिस ने उस के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

बाप बेटी को पीटकर किया घायल

गोण्डा। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के महादेवा लाला पुरवा गांव के निवासी 65 वर्षीय शमसीर पुत्र बरकत उल्ला और उस की पुत्री 14 वर्षीय नफीकुन को मार पीट कर घायल कर दिया गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरकत उल्ला ने बताया कि बकरी को लेकर गांव के कुछ लोगो से विवाद हो गया था। घटना की तहरीर थाने पर दी गई है।

आए दिन ट्रांसफार्मर खराब रहने से आजिज ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गोंडा मामला विद्युत उपकेंद्र नवाबगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत महंगूपुर के बखिरा का है जहां लगभग 45 कनेक्शन पर 10 आ का दशकों पुराना ट्रांसफार्मर लगाया गया है जो कि खघ्स्ता हाल हो चुका है और आए दिन खराब हो जाता है जिससे ग्रामीणों को खासी दिक्कतें होती है। एक तरफ जहां सरकार सौभाग्य योजना के द्वारा गाँव गाँव और घर घर बिजली पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं वही ग्राम पंचायत महंगूपुर के बखिरा में लगा यह ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग की बदहाल व्यवस्था को जाहिर कर रहा है इस ट्रांसफार्मर से लगातार तेल गिरता रहता है जिस पर ग्रामीणों के द्वारा ट्रांसफार्मर के नीचे कटोरा रख दिया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि बिजली तो ठीक से मिलती है नहीं इसी लिए तेल ही ले लिया जाए।ट्रांसफार्मर के लगातार खराब होने से आजिज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर नया और उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की है।

बाल श्रम उन्मूलन अभियान के अंतर्गत अवमुक्त कराये गये 06 बाल श्रमिक

गोण्डा।उत्तर प्रदेश शासन और जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही के निर्देशों के क्रम में श्रम विभाग के नेतृत्व में , चाइल्ड लाइन और एन्टी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा जनपद गोंडा में सघन रुप से बालश्रम उन्मूलन के अभियान का संचालन किया गया । जिसमें जनपद के कई प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कुल 06 बाल श्रमिको को मुक्त कराया गया जिसके बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के सेवायोजकों के विरुद्ध बाल श्रम अधिनियम 1986 के तहत नियमानुसार कार्यवाही अपनायी जाएगी।

पिता से हिस्सा मांगने को लेकर हुई विवाद में पांच घायल

गोण्डा। वजीर गंज थाना क्षेत्र में पिता से हिस्सा मांगने को लेकर हुए विवाद में जमकर मार पीट हुई जिस एक महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक व्रद्ध की हालत गम्भीर बनी हुई है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के कादी पुर गांव के निवासी 55 वर्षीय राम बक्स तिवारी पुत्र महादेव से उस का पुत्र राजू तिवारी जबरन हिस्सा मांग रहा था, उसी को लेकर विवाद हो गया और जमकर मार पीट हुई। 65 वर्षीय राकेश तिवारी पुत्र महादेव, 28 वर्षीय संजय तिवारी पुत्र राम बक्स, 22 सत्यम तिवारी पुत्र राकेश ,55 वर्षीय गीता देवी पत्नी राकेश तिवारी व राम बक्स तिवारी घायल हो गए। इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। हालत खराब होने पर राकेश तिवारी, सत्यम, गीता देवी को जिला अस्पताल के लिए रिफर किया गया। राकेश तिवारी की हालत गम्भीर बनी हुई है। सत्यम तिवारी ने घायल अवस्था मे बताया कि उस के बड़े पिता जी के पुत्र राजू तिवारी और उनकी पत्नी सरिता तिवारी घर पर हिस्सा मांगने के लिए आये थे, उसी दौरान गांव के प्रधान प्रतिनिधि भी अपने समर्थकों के साथ आ गए। हमलाकर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

डीसीएम और ट्रेलर में हुई टक्कर, चालक की मौत, एक घायल

गोण्डा। नगर कोतवाली क्षेत्र के स्टेशन मार्ग स्थित बड़गांव पुलिस चौकी के पास रात्रि करीब 3 बजे के आस पास एक डीसीएम और ट्रेलर से आमने सामने टक्कर हो गई जिस में डीसीएम चालक की मौत हो गई। एक युवक घायल हो गया। बहराइच की तरफ से सरिया लदी आ रही डीसीएम और सामने से गिट्टी लदी ट्रेलर से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। जिसमें डीसीएम चालक 28 वर्षीय मो तौहीक पुत्र अब्दुल खालिक निवासी पूरे राम सहाय थाना रानी गंज प्रताप गढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। घायल में डीसीएम क्लीनर प्रताप गढ़ निवासी मो शकीर शेखर पुर प्रताप गढ़ निवासी घायल हो गया। मृतक के भाई गुलफान ने बताया कि उस का भाई बहराइच जनपद से सरिया लोड कर के फैजाबाद जा रहा था। तभी यह घटना घट गई। घटनास्थल पर पहुची पुलिस ने डीसीएम में दबे लोगो को बाहर निकाला और चालक को जिला अस्पताल भेजवाया जहाँ चिकित्सक ने देखने के बाद मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस ने उस के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

मानव सेवा उत्थान समिति द्वारा किया गया विशाल सत्संग का आयोजन

शिवदयाल गंज गोंडा ।नवाबगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत किशुंदासपुर में मानव धर्म के प्रणेता श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से आयोजित एक दिवसीय विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया इस समारोह का आयोजन मानव सेवा उत्थान समिति के द्वारा किया गया गोंडा से आए कथा वाचक गिरधारी नंद जी के द्वारा सत्संग किया गया जिसमें आसपास के इलाकों से लोग इस सत्संग के कार्यक्रम में शामिल हुए

सरयू तट पर बाबा भुनेश्वर नाथ महादेव के रूप में विराजमान

आराध्य की कृपा पाने के लिए भक्त ज्योतिर्लिंग पर करते हैं अभिषेक

अयोध्या। सावन का महीना प्रकृति का महीना माना जाता है और प्रकृति से ही जुड़े भोलेनाथ की भक्ति के लिए भी यह महीना अनुकूल माना जाता है। ऐसे में भोले बाबा के भक्त अपने आराध्य की कृपा पाने के लिए उनके ज्योतिर्लिंग पर अभिषेक करते हैं। रामनगरी अयोध्या के मां सरयू के पावन तट पर सुशोभित सैकड़ों वर्षों से विराजमान बाबा भुनेश्वर नाथ की कृपा भक्तों को अनवरत प्राप्त होती रहती है और इसी सरयू तट पर विराजमान करतलिया बाबा हमेशा श्री राम नाम भक्ति में वह ओत प्रोत रहते थे। राम नाम के साथ बाबा का अनुराग भोलेनाथ में भी अटूट था और बाबा ने ही मां के तट पर स्थित शिवलिंग का शिरोचार्य किया और यह परंपरा निरंतर चलने लगी। बाबा भुनेश्वरनाथ महादेव प्राचीनता की पुष्टि उस सतह से होती है जिस पर वह शिवलिंग स्थापित है और वर्षों पहले करतलिया बाबा ने सहेजा और उनके शिष्य सूर्यनारायण दास ने मंदिर का निर्माण करवाया और वर्तमान पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास महाराज ने बाबा भोले के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला का निर्माण करवाया। मां सरयू की उत्पत्ति श्री हरि के आंसुओं से हुई है और सरयू तट पर विराजमान भुनेश्वर नाथ महादेव का नित्य प्रति श्रद्धालु भक्तगण मां सरयू के जल से अभिषेक करके पुण्य अर्जित कर रहे हैं। करतलिया बाबा आश्रम के महंत बाल योगी रामदास जी महाराज ने बताया की प्रभु श्री राम और भोले बाबा एक दूसरे को श्रेष्ठ मानते हैं और उनकी अभिन्नता शास्त्रों के साथ–साथ सिद्ध संत करतलिया बाबा ने साक्षात पहचानी है जो आज मां सरयू के तट पर बाबा भुनेश्वर नाथ महादेव के रूप में विराजमान है। रामचरितमानस में तुलसीदास जी महाराज ने कई बार प्रभु श्री राम और बाबा भोलेनाथ का वर्णन किया है और ऐसा माना जाता है कि अगर कोई राम जी का अपमान करके शिवजी को अपनाता है या शिव जी का अपमान करके राम जी को अपनाता है तो उसे किसी की भक्ति नहीं प्राप्त होती है। बल्कि दोनों आराध्य ऐसे भक्तों पर रुष्ट हो जाते हैं।

पटना के महावीर हनुमान मंदिर पर अयोध्या हनुमानगढ़ी ने ठोका दावा

अयोध्या। रामनगरी के प्रसिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी अयोध्या ने पटना के महावीर मंदिर पर मालिकाना हक जताया है। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास जी का कहना है पटना के महावीर मंदिर पर हनुमानगढ़ी का हक है। रामानंदी निर्वाणी अनि अखाड़ा हनुमानगढ़ी के पंचाननगण ने बहुमत से महंत महेंद्र दास चेला स्वर्गीय महंत राम गोपाल दास जी महाराज को महावीर मंदिर पटना जंक्शन का सरवराहकार महंत नियुक्त किया तथा महंत रघुनाथ दास को धर्म प्रचार प्रसार हेतु महावीर मंदिर पटना का परमाचार्य पूर्व की भांति बनाया गया। इसी के साथ मुख्य पुजारी के रूप में फलाहारी सूर्यवंशी दास को पुनः नियुक्त किया गया क्योंकि किशोर कुणाल ने पुजारी को पद मुक्त कर के मंदिर से निकाल दिया था। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास जी महाराज ने कहा कि 350 वर्ष पहले पटना महावीर मंदिर की स्थापना स्वामी बालानन्द जी महाराज ने किया था जो उसी समय से लेकर पंच रामानंदी निर्वाणी अनि अखाड़ा के शाखा के रूप में प्रसिद्ध हुआ। महाराज जी ने बताया कुछ वर्ष पहले किशोर कुणाल ने मंदिर पर आधिपत्य स्थापित किया और रामानंदी परंपरा का समूल नाश करने लगे मंदिर की संपत्ति को पैतृक मानकर देश के विभिन्न राज्यों में करोड़ों की निजी संपत्ति बनाई। जिसको लेकर अयोध्या के सिविल कोर्ट में किशोर कुणाल तथा अन्य विपक्षी गणों पर हनुमानगढ़ी की तरफ से मुकदमा भी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारत का पहला मंदिर है जहां 28 वर्ष पहले दलित पुजारी की नियुक्ति हुई क्योंकि रामानंद संप्रदाय जातिपाती को नहीं मानता है सबको लेकर चलने का प्रयास करता है। महाराज जी ने बताया कि अगर किशोर कुणाल हनुमानगढ़ी में आते हैं पंचों के समक्ष माफी मांगते हैं तो पंच विचार करेंगे उनको माफ करने के लिए।नवनियुक्त महंत महेंद्र दास ने कहा कि महावीर मंदिर पटना की व्यवस्था चरमरा गई है मैं पुनः रामानंदी परंपरा के अनुसार व्यवस्थित करूगा और मंदिर द्वारा चलाई जा रही सेवाएं अनवरत जारी रहेगी। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के श्रीमहंत ज्ञानदास जी महाराज के उत्तराधिकारी संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महंत डॉ महेश दास महंत सत्यदेव दास महंत बलराम दास महंत रामजी दास पुजारी हेमंत दास अभिषेक दास मामा दास सहित सैकड़ों नागा संत महंत उपस्थित रहे।

गोण्डा में कानून व्यवस्था हुआ बद से बदतर, स्टाफ नर्स की पिटाई कर कपड़े फाड़े गए

गोण्डा जिले में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गयी है।लूट छिनैती सरे आम चाकू से हमला फायर करना आम बात हो गया है।पुलिस केवल मुख्यमंत्री को दिखाने के लिये जनता दर्शन कर ट्वीट कर स्वयं अपनी पीठ थप थपा रही है पीड़ित न्याय पाने के लिए बिल बिला रहे है गुंडई और आरजकता इस कदर हावी है दो दिन तहसील में तहसीलदार के मेज पलटकर की गई अभद्रता, सरे आम जिला अस्पताल में आये दिन चिकित्सको की पिटाई कर रहे है।ताजा मामला बीती देर रात्रि का है अराजक तत्वों ने स्टाफ नर्स सहित आधे दर्जन कर्मचारियों की पिटाई ही नही स्टाफ नर्स के कपड़े तक फाड़ डाले।पूरी घटना सीसी टीवी में है कैद।

गोंडा के जिला अस्पताल में भर्ती मरीज के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीमारदारों ने हंगामा किया व स्टाफ नर्स व टिफिन देने आए स्टाफ नर्स के पति के साथ मारपीट की तथा स्टाफ नर्स के कपड़े फाड़ डाले, स्टाफ नर्स ने आरोप लगाते हुए बताया कि एक मरीज गंभीर अवस्था मे आया था उसका इलाज शुरू किया, मैं काल लिखने लगी तभी वह लोग आए लापरवाही व इलाज शुरू न होने की बात कहकर हमे मारा मेरे पति को भी मारा मेरे कपड़े फाड़े और गंदी गालियां दी पुलिस आई थी मैं मुकदमा लिखवाऊंगी सीएमएस ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में एक मरीज के सामने वाले तीमारदारों ने नर्स को मारा और कपड़े भी फाड़े है उसको बचाने में कर्मचारी भी पिटे पुलिस को काल किया गया था वह एक दो लोगो को ले गयी है एफआईआर की प्रक्रिया करा रहा हूँ।पुलिस क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि मरीज माही को अस्पताल में गम्भीर अवस्था मे भर्ती कराने पर स्टाफ नर्स द्वारा इलाज के दौरान माही के परिजनों द्वारा स्टाफ नर्स व अन्य को मारे पीटे नर्स के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई की जा रही है। मारपीट की पूरी घटना जिला अस्पताल के सी सी टीवी में कैद हो गयी है।

सीसी टीवी में टिफिन देने आए स्टाफ नर्स के पति विनोद को हमलावर घसीट घसीट कर मारे ,स्टाफ नर्स के साथ बदतमीजी कर घसीटते व दोनो की मारते पीटते सीसी टीवी में साफ दिख रहा है।पुलिस सीसी टीवी की फुटेज अपने साथ ले गयी है।

भाकियू की किसान महापंचायत समाप्त

बीकापुर–अयोध्या । भारतीय किसान यूनियन द्वारा आयोजित किसान महापंचायत क्षेत्राधिकारी बीकापुर सी बी त्रिपाठी के मुकदमा स्पंज करने के आश्वासन पर समाप्त हो गयी। विदित है कि गत 27 जुलाई 2021 को भारतीय किसान यूनियन के ब्लाक अध्यक्ष रामगोपाल मौर्य और मुमारिजनगर के लेखपाल गुलशन भारती के बीच राज मौर्य के आय जाति निवास प्रमाण पत्र जो कि 2 बार बिना किसी कारण बताएं लेखपाल गुलशन भारती द्वारा निरस्त किया गया था को बनाने को लेकर हॉट टॉक हुआ था जिसके बाद उप जिलाधिकारी बीकापुर के दबाव में गुलशन भारती की तहरीर पर रामगोपाल मौर्य के विरुद्ध थाना कोतवाली बीकापुर में एससी एसटी एक्ट सहित विभिन्न संगीन धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत की गई थी जिसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन द्वारा लेखपाल गुलशन भारती की एफआईआर को स्पंज करने , रामगोपाल मौर्य की तहरीर पर एफ आई आर दर्ज करने ,राज मौर्य का आय जाति निवास प्रमाण पत्र बनाने की मांग को लेकर बीकापुर तहसील परिसर में गत पांच अगस्त 2021 से अनिश्चितकालीन धरना चलाया जा रहा था और 17 अगस्त 2021 को महापंचायत का आयोजन किया गया था। महापंचायत में भारी संख्या में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता व किसान उपस्थित थे जैसा कि उप जिला अधिकारी व तहसीलदार आदत के मुताबिक कि जनता की बात नहीं सुनते हैं और किसी दूसरे कमरे में बैठे रहते हैं उसी क्रम में देखा गया कि महापंचायत के ऐलान के बाद भी उप जिला अधिकारी व तहसीलदार बीकापुर अपने कार्यालय से नदारद रहे जिसके कारण पुलिस बल व क्षेत्रा– अधिकारी बीकापुर, प्रभारी निरीक्षक को भारी मशक्कत करनी पड़ी काफी देर बाद शाम लगभग 4:00 बजे तहसीलदार बीकापुर व उप जिलाधिकारी बीकापुर के आने के बाद भी भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने उनसे बात करने से इंकार कर दिया और क्षेत्राधिकारी धविवेचक महोदय के आश्वासन पर कि राम गोपाल के विरुद्ध दर्ज मुकदमा स्पंज कर दिया जाएगा इस आश्वासन के बाद आंदोलन को समाप्त कर दिया गया भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि तहसीलदार और उप जिला अधिकारी की शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई है शिकायत के संबंध में पुनः अधिकारियों से वार्ता की जाएगी और जिला अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश की सरकार से यह मांग की जाती है कि बीकापुर तहसील में आईएएस अधिकारी के रूप में उप जिलाधिकारी की कुर्सी पर तैनाती की जाए बीकापुर तहसील में भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर व्याप्त है बिना रिश्वत के कोई काम होने वाला नहीं है वर्तमान समय में तैनात उप जिलाधिकारी और तहसीलदार बीकापुर पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं तत्काल हटाया जाना आवश्यक है। महापंचायत में बड़ी संख्या में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित थे जो अपने हाथों में लाठी डण्डा व झंडा लेकर के सरकार विरोधी व एस डी एम विरोधी नारे लगा रहे थे अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन कर रहे थे अपराहन 1:10 पर राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा द्वारा प्रशासन को 1 घंटे का समय देते हुए समस्या समाधान करने की मांग की गयी जिस पर क्षेत्राधिकारी मय फोर्स पंचायत में पहुंचकर अधिकारियों के आने की बात कही परंतु 2 घंटा बीत जाने के बाद अधिकारियों के ना आने पर आक्रोशित भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा, मंडल अध्यक्ष अभय राज ब्रह्मचारी ,जिला अध्यक्ष सूर्यनाथ वर्मा, के नेतृत्व में प्रदर्शन करने हेतु तहसील से बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे की क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने बड़ी मशक्कत के बाद रोका पुलिस बल ने जहां पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को रोका वहीं पर कार्यकर्ता बैठकर पंचायत शुरू कर दिया काफी देर बाद इस आश्वासन पर कि मुकदमा स्पंज कर दिया जाएगा। पंचायत को समाप्त कर दिया गया पंचायत में वरिष्ठ संगठन मंत्री शोभाराम यादव, जिला उपाध्यक्ष भागीरथी वर्मा अरविंद यादव, फरीद अहमद, राजेश मिश्रा, महेंद्र वर्मा, ओम नारायण वर्मा देवी प्रसाद वर्मा ,संतोष वर्मा, बैजनाथ निषाद, रामगोपाल मौर्य रामसूरत यादव चंदू भाई पटेल डॉक्टर मंगली राम जगत यादव फूलचंद यादव बाबूराम तिवारी नाथूराम यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

गरीब असहाय वादकारियों को निःशुल्क न्याय दिलाएं अधिवक्ता: लल्लू सिंह

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सांसद लल्लू सिंह ने समारोह पूर्वक पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन अध्यक्ष शिवराज त्रिपाठी ने की तथा संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पाण्डेय ने किया। उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर दिग्विजय प्रताप सिंह, तहसीलदार मिल्कीपुर पल्लवी सिंह, क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार राय शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह में बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अधिवक्ता गण न्याय की लड़ाई लड़ते हैं, अधिवक्ताओं से अपील की कि वह कुछ गरीब एवं असहाय लोगों को निशुल्क न्याय दिलाने के लिए भी आगे आएं। कुछ वादकारियों के पास धनाभाव होता है जिसके चलते वह मुकदमे की पैरवी नहीं कर पाते हैं और उन्हें न्याय नहीं मिल पाता है। ऐसे मामलों में उनकी भूमिका अहम हो सकती है। अधिवक्ताओं द्वारा की गई विभिन्न मांगों पर बजट उपलब्ध होने के बाद कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू नाथ त्रिपाठी ने समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह से अधिवक्ता कल्याण कोष की राशि घ्दस लाख किए जाने एवं अधिवक्ताओं का जीवन बीमा कराए जाने तथा परिसर में पेशाब घर बनवाए जाने की मांग की। उन्होंने सांसद का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा की मिल्कीपुर में दो नायब तहसीलदार क्षेत्र हैं बावजूद इसके पांच 7 वर्षों से एक ही नायब तहसीलदार कार्यरत है जिसके कारण न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंच रही है उन्होंने सांसद से अति शीघ्र मिल्कीपुर व अमानीगंज दोनों पदों पर नायब तहसीलदार की नियुक्ति कराए जाने का आग्रह किया। संचालक अरविंद पांडे व कर्मराज शर्मा तुकांत ने काव्य पाठ किया। जिसकी उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की।

कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिवक्ता शिवपूजन पांडे, पवन शुक्ला, पूर्व ब्लाक प्रमुख कमलेश यादव, जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी, दयानंद पांडेय, अमित मिश्रा, महेंद्र सिंह, खुशीराम पांडे, एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों अध्यक्ष शिवराज त्रिपाठी, महामंत्री महेंद्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष अमित कुमार मिश्र, संयुक्त मंत्री राम संवारे, कोषाध्यक्ष अंसार अहमद, कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश पांडे, अनिल कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, श्रीप्रकाश सिंह ने समारोह पूर्वक पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

चार बच्चों द्वारा घर से निकाले गये 74 वर्षीय पिता को पुलिस अधीक्षक ने स्वयं मौके पर पहुंच कर दिलाया न्याय

गोण्डा। पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान एक 74 वर्षीय बृद्ध हरीप्रसाद पुत्र दातादीन निवासी ग्राम धानेपुर ठठेरी थाना धानेपुर जिला गोण्डा ने उपस्थित होकर उसके लड़को द्वारा उसको घर से निकाल देने के सम्बन्ध में अपनी पीडा बतायी। पीडित बृद्ध ने बताया कि उसके चार लड़के है जिसमें से तीन लडके बैंक मे व एक लडका विद्युत विभाग में कार्य करता है। इन सभी ने मिलकर पैतृक घर पर कब्जा कर मुझे घर से बाहर निकाल दिया है। विरोध करने पर मुझे मारते–पीटते है तथा खाना–पानी भी नही देते है। इस बुजुर्ग फरियादी की पीडा को सुनकर पुलिस अधीक्षक स्वयं वृद्ध हरी प्रसाद को साथ लेकर उसके घर धानेपुर ठठेरी पहुंचे तथा वृद्ध के लडको को बुलवाकर बुजुर्ग की रहने एवम् खाने–पीने की उचित व्यवस्था कराकर घर में उन्हें स्थापित कराया। साथ ही उपस्थित परिजनो से वार्ता कर भविष्य में बुजुर्ग हरी प्रसाद का ख्याल रखने एवम् किसी भी प्रकार से परेशान न करने की हिदायत दी। जिस पर उपस्थित सभी परिजनो ने अपनी गलती की माँफी मागते हुए भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति न करने का वचन भी दिया। बुजुर्ग हरीप्रसाद ने इस न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक गोण्डा का सहृदय धन्यवाद दिया।

प्रेरणा कक्ष का अवलोकन कर राज्य सन्दर्भदाताओं ने की सराहना

अयोध्या। जनपद में सूदूर स्थित विकास खण्ड हैरिंग्टनगंज के कम्पोजिट विद्यालय पाराताजपुर में राज्य सन्दर्भ समूह के सदस्यों ने मिशन प्रेरणा के अंतर्गत " प्रेरणा कक्ष " का अवलोकन किया। जिसके लिए आदर्श शिक्षक अनूप मल्होत्रा के भागीरथ प्रयास की सराहना भी की। इस विषय मे अधिक जानकारी देते हुए एसआरजी अम्बिकेश त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा किये गए अभिनव प्रयासों से बहुत से छात्र – छात्राओं को प्रेरक बालक व प्रेरक बालिका के रूप में चयनित किया गया है। विद्यालय के कई बच्चों ने प्रेरणा कक्ष में शिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के मॉडल तैयार किये हैं ,जो कि अन्य विद्यालयों के शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य कर रहे है। विद्यालय के कई बच्चे प्रेरणा लक्ष्य की आधारभूत दक्षता को हासिल करने की ओर प्रयासरत हैं। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा ई–पाठशाला के संचालन हेतु सफल प्रयास किया जा रहा है।जनपदीय अधिकारियों एवं विकास खंड के एआरपी द्वारा विद्यालय का नियमित ऑनलाइन सपोर्टिव सुपरविजन भी किया जाता है। विद्यालय में स्थित पुस्तकालय भी सक्रिय है और बच्चे इसका लाभ उठा रहे है।प्रधानाध्यापक विद्यासागर मिश्र ने स्टेट रिसोर्स ग्रुप के तीनों राज्य सन्दर्भदाताओं एस.आर.जी. डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी , मनीष रस्तोगी व अमित कुमार मिश्र को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय की प्रेरणा साथी शिवानी चौरसिया ने एसआरजी अमित मिश्रा को स्वनिर्मित चार्ट भेंट किया।

सरकारी प्रलेखो से हटे नेताजी की मृत्यु तारीख: हिएआपा

अयोध्या। सरकारी स्तर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु तारीख 18 अगस्त को तत्काल प्रभाव से संशोधित किए जाने की आवश्यकता है उक्त बात हिंदू एकता आंदोलन पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडे ने कही है श्री पांडेय ने आगे कहा कि जब इतिहास में नेताजी की मृत्यु संबंधी कोई साक्ष्य और सबूत उपलब्ध ही नहीं है तो सरकार किस बात की जानकारी के आधार पर नेताजी की मृत्यु की तारीख 18 अगस्त घोषित कर उनकी पुण्यतिथि मनाती है। श्री पांडे ने कहा कि जनपद अयोध्या में रहने वाले गुमनामी बाबा जिन्हें उनके अनुयाई सुभाष चंद्र बोस मानकर उन्हें हर वर्ष श्रद्धांजलि व उनकी जन्म दिवस मनाते हैं इस विषय पर सरकार तत्काल प्रभाव से उनका रहस्य उजागर करें एवं सरकारी पर लेखों में से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु संबंधी तारीख को तत्काल हटाने का कार्य करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर विशेष वेबिनार का आयोजन

शिक्षकों को हासिल हुई महत्वपूर्ण जानकारी, ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में जिले के हजारों शिक्षक हुये शामिल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। समग्र शिक्षा सिद्धार्थनगर और अरविंद सोसाइटी एवं एच.डी.एफ.सी. बैंक की ओर से 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 परिवर्तन एवं प्रभाव' विषयक विशेष वेबिनार का आयोजन हुआ। शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों और पहलूओं के बारे अवगत कराने और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए तैयार करने हेतु आयोजित किये गए इस वेबिनार में जिले के बड़ी संख्या में शिक्षकों ने वेबिनार प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागिता कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चर्चा – परिचर्चा के भागीदार बने। वेबिनार के मुख्य अतिथि प्राचार्य डायट उपेंद्र कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में तमाम तरह की सुधार होने से बेहतरी की आशा दिखाई दे रही है। नई शिक्षा नीति को समझने की जरूरत है। आवश्यकता अनुसार महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सुझाव भी दिया जा सकता है। बीएसए राजेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि इस नीति के सफल क्रियान्वन के लिए मनोयोग से कार्य कर आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को क्षेत्रीय, मातृभाषा, स्थानीय भाषा में पढ़ाने की बात करती है। व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ –साथ विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों में विकास करना इस शिक्षा नीति का एक प्रमुख उद्देश्य भी है। यह नीति भारत की परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरकरार रखते

हुए तैयार की गयी है और यह एक आधुनिक भारत के निर्माण की ओर एक प्रभावशाली कदम है। श्री सिंह ने शिक्षण जगत में निरंतर योगदान देने के लिए श्री अरविंद सोसाइटी के कार्यों व प्रयासों की प्रशंसा भी की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला समन्वयक प्रशिक्षण सुभाष चंद्र शुक्ल ने शिक्षकों को नई शिक्षा नीति को विस्तार से समझने और क्रियान्वित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण कई वर्षों के सम्मिलित प्रयासों के फलस्वरूप हुआ है। यह नीति विद्यार्थियों के व्यावसायिक शिक्षण और सर्वांगीण विकास पर बल देती है, और शिक्षक इस नीति को आत्मसात कर कार्य करने की ओर ध्यान केंद्रित करना होगा।

शिक्षा नीति आमूलचूल परिवर्तन द्वारा निर्धारित परिणामों तक पहुँचने का एक प्रभावशाली प्रयास है और इस प्रयास को सफल बनाने और सुचारू रूप से क्रियान्वयन कराने का दारोमदार शिक्षकों पर निर्भर है। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सभी का योगदान जरूरी है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रमुख श्री अरविंद सोसाइटी अशोक शर्मा ने कहा कि शिक्षण में जिज्ञासा आवश्यक है और जिज्ञासु एवं प्रयत्नशील शिक्षक ही शिक्षण प्रणाली में परिवर्तन ला सकते हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को आगे लेकर जाने का मार्ग प्रशस्त करती है। सफल क्रियान्वन के लिए शिक्षा नीति को आत्मसात करने की आवश्यकता है। श्री अरविंद सोसाइटी के मास्टर ट्रेनर नरेंद्र, जिला समन्वयक अश्ववनी प्रताप सिंह ने शिक्षकों को एन.ई.पी. 2020 पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वेबिनार में डायट मेंटर, एसआरजी, ए आर पी, शिक्षक संकुल व शिक्षकों की प्रतिभागिता रही।

भारत नेपाल सीमा अलीगढ़वा मुख्य द्वार कीचड़ के गिरफ्त में,जवान हलकान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। बुद्ध की क्रीड़ा स्थली पर स्थित

अलीगढ़वा कस्बे में जाने वाली सड़क पर गंदा पानी, कीचड़ का जमा होने से लोगो को आने जाने में भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है,खास कर सावन महीने में सोमवार को श्रद्धालु कस्बे के मंदिर में जलाभिषेक करने आते है,मंदिर के सामने ही नाली का गन्दा पानी,कीचड़ भरे होने के कारण दुर्गन्ध आती है,सफाई नही होने के कारण बीमारियां फैल रही है,वही देश की सेवा में लगे एसएसबी जवानो को गंदगी से जूझना पड़ रहा है,नाली का पानी मुख्य द्वार पर जमा रहता है,दुर्गन्ध फैली होती है,ऐसे में जवान कीचड़ में खड़े होकर दिन रात पहरा कर रहे है।एसएसबी ने इसकी व्यवस्था के लिये कस्बावासियों द्वारा सदर विधायक से समस्या कही गयी थी,उन्होंने आस्वासन दिया है,जल्द सफाई कराने के लिये, ओमप्रकाश कन्नौजिया, रवि प्रकाश,विनोद गुप्ता,देवी प्रसाद,शिवशंकर,शत्रुघ्न प्रसाद,राम कृपाल वर्मा,मो सबूर ,दिनेश कुमार,रामचरन, बैजनाथ,गंगा प्रसाद वर्मा आदि का कहना है,सफाईकर्मी नही लगाए गए है,वर्षो से नालियां जाम है,गंदा पानी सड़क पर बह रहा है,ऐसे में हम लोग विधायक से शिकायत भी किया कि मंदिर के सामने जमे कीचड़ वा नालियों को साफ कराया जाय। आस्वासन ही मिल रहा है।

एनडीआरएफ टीम ने दी आपदा से बचाव का प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी दीपक मीणा के

दिशा–निर्देशन में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत जनपद के प्रत्येक तहसील और ब्लॉक स्तरीय फ्रंटलाइन वर्कस का आपदा से बचाव का प्रशिक्षण एन.डी.आर.एफ. टीम द्वारा दिया जा रहा है। गुरुवार को तहसील सभागार इटवा में प्रशिक्षण कार्यक्रम कर लोगों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान एन डी आर एफ की संरचना एवं कार्यशैली व आपदा प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी, तत्पश्चात मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा बाढ़ जैसी आपदा से बचाव के लिए आपदा से पूर्व, दौरान और बाद में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी तथा बाढ़ के दौरान जीवन सुरक्षा हेतु स्थानीय संसाधनों से निर्मित रक्षक जैकेट बनाने का तरीका, सांप काटने पर दीये जाने वाले प्राथमिक उपचार तथा भूकंप, भूस्खलन जैसी आपदाओं में घायल हुए व्यक्तियों को अस्पताल से पूर्व चिकित्सा के बारे में बताया गया। आपदा के दौरान या सामान्य जीवन में चोट लगने पर प्राथमिक उपचार जैसे ड्रेसिंग, बैंडेज, खून का बहाव रोकना, फैक्चर को स्थायित्व प्रदान करना, जीवन रक्षक सीपीआर का प्रशिक्षण, घायल व्यक्ति को एंबुलेंस या हॉस्पिटल तक ले जाने के लिए घरेलू सामानों के द्वारा स्ट्रेचर बनाने का तरीका, डूबे हुए व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने का तरीका, आकाशीय बिजली से बचने का तरीका बताया गया। उक्त कार्यक्रम इटवा एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

टीकाकरण से किसी की मौत नहीं, जांच कराएगा स्वास्थ्य विभाग

देश में टीके के कारण किसी भी मौत की पुष्टि नहीं–डॉ. सुधाकर पांडेय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय ने कहा है कि कोविड के टीके से किसी की मौत नहीं होती है । यह टीका असरदार और सुरक्षित है । देश में टीके के कारण किसी भी मौत की पुष्टि नहीं हुई है । जिले में 15.48 लाख लोगों को कोविड का टीका लगाया जा चुका है और सभी लोग सुरक्षित हैं । बावजूद इसके पिपराईच और सहजनवां क्षेत्र में दो संदिग्ध मौत के मामलों की स्वास्थ्य विभाग जांच कराएगा । जांच रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाएगी ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मीडिया के माध्यम से यह संज्ञान में आया है कि पिपराईच क्षेत्र में एक 58 वर्षीय महिला की, जबकि सहजनवां क्षेत्र में 51 वर्षीय पुरुष की संदिग्ध मौत हुई है । दोनों लोगों ने कोविड का टीका भी लगवाया था । जब तक जांच न हो जाए तब तक मौत का कारण कोविड का टीका नहीं माना जा सकता है । उन्होंने लोगों से अपील की कि कोविड का टीका पूरी तरह से सुरक्षित है और बिना किसी हिचक के इसे लगवाएं । यह कोविड संक्रमण तोड़ने का एक सशक्त माध्यम है ।डॉ. पांडेय ने बताया कि जिले में 12.87 लाख लोगों को कोविड टीके की पहली डोज, जबकि 2.62 लाख लोगों को दूसरी डोज लगायी जा चुकी है । टीका लगने के बाद कुछ लोगों को हल्का बुखार होता है जो ठीक हो जाता है । इसके अलावा अन्य कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है । टीके के प्रति लोगों के बीच मांग बढ़ी है और लोग खुद आगे आकर टीका लगवा रहे हैं । टीका लगवाने के बावजूद लोगों को कोविड प्रोटोकॉल जैसे मॉस्क के इस्तेमाल, शारीरिक दूरी और हाथों की स्वच्छता आदि का ध्यान रखना है ।

सहरुग्णता के साथ भी टीका सुरक्षित

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कोविड का टीका बीपी, शुगर, टीबी जैसी सहरुग्णता के साथ भी लगा है और लाभार्थियों को कोई प्रतिकूल असर नहीं झेलना पड़ा । सरकार के नये दिशा–निर्देश के मुताबिक गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी कोविड का टीका लगाया जा रहा है । केवल गंभीर बीमारियों जैसे हृदय रोग, कैंसर आदि के मरीजों को चिकित्सक के परामर्श के साथ टीका लगाने का सुझाव दिया जाता है । कोविड का टीका 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए सुरक्षित है।

अभियान मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिध्दार्थनगर। तहसील के अन्तर्गत इटवा थाना क्षेत्र

के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 यशवीर सिंह के आदेश के क्रम में चलाये जा रहे अभियान मिशन शक्ति के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सुरेश चंद्र रावत के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी इटवा रमेश चंद पांण्डेय एवं प्र0नि0 ज्ञानेंद्र कुमार राय की उपस्थिति में वहद ग्राम चौखड़ा में अभियान मिशन शक्ति के तहत म0उ0नि0 मीरा चौहान, म0आ0 अंजली यादव, म0आ0 रिंकू यादव, म0आ0 शीला पटेल, म0आ0 चन्द्रकला यादव, म0आ0 छाया द्विवेदी, म0आ0 अर्चना यादव तथा म0आ0 तृप्ति चौबे द्वारा एकत्रित महिलाओं से उनकी सुरक्षा को लेकर वार्ता किया गया। उनकी समस्या को सुनी गयी और महिला सम्बन्धित हो रहे अपराध के रोक थाम के सम्बन्ध में गहन चर्चा की गयी तथा सम्बन्धित हेल्प लाइन से अवगत कराया गया तथा उच्च स्तर से प्राप्त आदेश निर्देश से अवगत कराया गया तथा महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से किस प्रकार से महिलाओं की मदद की जाती है, डेमों के जरिये दिखाया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरन, गावं की महिलाएं,आंगनवाणी से सम्बन्धित महिलाएं, आशा, महिला ग्राम प्रधान व अन्य महिला सुरक्षा समिति से जुड़ी हुई महिलाएं उपस्थित रहीं तथा पुलिस के इस कार्य को प्रशंसनीय बताया।

रंगरेलियां मनाते दारोगा को गांववालों ने पकड़ा, खंभे से बांधकर पीटा,एसपी ने किया सस्पेंड

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। दुबौलिया थाने पर तैनात आशिक मिजाज दारोगा को बुधवारध गुरुवार की देर रात ग्रामीणों ने एक युवती के घर से निकलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। ग्रामीणों ने दारोगा पर रंगरेलियां मनाने का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू किया तो नाराज दारोगा ने सरकारी पिस्टल से फायर कर दिया। इसके बाद ग्रामीण भड़क गए। उन्होंने जमकर धुनाई के बाद दारोगा को खंभे से बांध दिया और लाठी–डंडों से पीटा। भोर में करीब 4 बजे सूचना पर पहुंचे दुबौलिया थानाध्यक्ष दारोगा को साथ ले गए। दारोगा की पिटाई की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है इस

मामले में दारोगा के खिलाफ एक्शन हो गया है। बस्ती के एसपी ने दारोगा पर लगे आरोपों को सही मानते हुए उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसपी ने मामले की जांच एएसपी और सीओ को सौंप दी है। उन्होंने कहा है जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी मिली जानकारी के अनुसार दुबौलिया थाने के हल्का नंबर–2 का दारोगा अशोक कुमार चतुर्वेदी चिलमा बाजार में किराए पर कमरा लेकर रहता है। करीब दो साल से दुबौलिया थाने पर ही तैनात दारोगा अशोक की आशिक मिजाजी की चर्चा पूरे क्षेत्र में है। करीब चार महीने पहले ग्रामीणों ने आला अधिकारियों से उसकी गलत हरकतों की शिकायत की थी। थाने से हटाए जाने के बाद पता नहीं कैसे फिर उसने ऐसा जुगाड़ लगाया कि फिर से दुबौलिया आ गया। मनचला दरोगा अशोक बुधवार की देर रात पल्सर बाइक से थाना क्षेत्र के ऊंजी गांव पहुंचा और एक घर में घुस गया।

बार्डर क्षेत्र में पुलिस कर रही नारी शक्ति मिशन मे महिलाओ को जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। गुरुवार को बार्डर क्षेत्र के कस्बा

अलीगढ़वा के प्राथमिक विद्यालय में नारी शक्ति मिशन के तहत ,नारी को हिंसा से कैसे बचाया जाय, विषय पर महिला आरक्षीपूजा सिंह ने उपस्थित महिलाओं को उनके ऊपर होने वाले अत्याचार, शोषण,छेड़छाड़, व्यंगात्मक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है,तो ऐसे में आप डरें नही डट कर सामना करें,अगर असहाय है तो तुरंत 112 ,1090,102, फोन करें,पुलिस आपकी सुरक्षा में पहुच जाएगी। खुद की सुरक्षा के लिये सेप्टी पिन ,कलम,हेयर पिन का प्रयोग कर सकती है,कोतवाली प्रभारी महेश सिंह ने 112,1090,181,1076के इस्तेमाल की जानकारी देते हुए महिलाओं को जागरूक किया।महिलाओं को रसोई में खाना बनाते समय किन चीजों का ध्यान रखे कि कोई घटना ने होने पाए,एसआई दिलीप यादव ने कहा घरेलू हिंसा अक्सर अपने खास हितैषियों से होती है,इससे बचने के लिये खुद को समझना होगा,समाज मे अक्सर अपराध करने वाले लोग बहला फुशला कर घटना को अंजाम दे देता है। महिला,शोभा,एसआई संजीव शुक्ला,अभिषेक कुमार,अखिलेश कुमार,फूलचंद,सहित महिलायें उपस्थित रही।

दो सगे भाई समेत तीन बच्चों का अपहरण,रहस्यमय हाल में लापता

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। गोरखपुर के सहजनवां इलाके से दो सगे भाई समेत तीन बालक रहस्यमय हाल में लापता हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि गीडा इलाके का एक बच्चा अपने दोस्त दो भाइयों के पास आया और फिर तीनों साथ ही गए थे और लापता हो गए। मामले में एसएसपी ने जानकारी देने के लिए नंबर जारी करते हुए बताया है कि जो भी इनकी सूचना देगा उसे इनाम दिया जाएगा। गांव से गीडा के खैरेला गांव निवासी सूर्य बहादुर थापा का बेटा दीपक थापा (13) सहजनवां के लुचुई निवासी गिरीश धर द्विवेदी का बेटा रुद्र उर्फ छोटू (12) और उसका भाई सिद्धार्थ (11) गायब हैं। जानकारी के मुताबिक, दीपक मंगलवार की सुबह ग्यारह बजे सहजनवां के वार्ड नंबर 14 लुचुई निवासी दो दोस्तों के पास गया था। यहां से तीनों बच्चे साथ में खेलने के लिए घर से निकले थे। शाम तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने तीनों की तलाश की तो कहीं कोई पता नहीं चला।

वीडियो के खिलाफ धरने पर बैठे भाजपा नेता

भाजपा नेता को वीडियो द्वारा बेइज्जत कर भगाये जाने का मामला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सुकरौली बाजार/कुशीनगर। जनसमस्याओं को लेकर वीडियो कार्यालय पहुंचे एक भाजपा नेता को खंड विकास अधिकारी ने बेइज्जत करके चेंबर से बाहर भगा दिया। जिससे नाराज दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने खंड विकास अधिकारी के कार्यालय के सामने ही धरने पर बैठ गए। उप जिला अधिकारी हाटा प्रमोद कुमार तिवारी धरना स्थल पर पहुंचकर पहुंच कर ज्ञापन लेकर धरना समाप्त करवाया।सुकरौली निवासी भाजपा नेता अंकित मद्धेशिया ग्राम बरसैना में चल रहे अवैध तरीके से नाली का प्रकरण लेकर दर्जनों लोगों के साथ वीडियो सुकरौली सुप्रिया के कार्यालय में पहुंचे थे। बातचीत के दौरान वीडियो उग्र होकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए अपमानित करते हुए बोली कि मैं सिर्फ ब्लॉक प्रमुख और ग्राम

प्रधानों से ही बात करती हूं तुम मेरे चेंबर से चले जाओ। वीडियो द्वारा बेज्जती से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व जिला अध्यक्ष जयप्रकाश साही, श्री भागवत चौहान क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा, पूर्व प्रधान बुद्धदेव त्रिपाठी, सुरेंद्र यादव तहसील अध्यक्ष हिंदू वाहिनी, सुरेश गुप्ता तहसील उपाध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी, शैलेंद्र सिंह पूर्व प्रधान बलुआ, समेत अशोक कुमार पूर्व प्रधान , दिनदयाल मद्धेशिया, विक्की, सोनु मद्धेशिया, सुकरौली,समेत दर्जनों कार्यकर्ता वीडियो कार्यालय के सामने धरना पर बैठ गए ।जिसको हाटा उप जिलाधिकारी ने ज्ञापन लेकर समाप्त करवाया। धरना को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा जयप्रकाश शाही ने कहा कि मुझे ब्लॉक परिसर में आते ही जितने भी ग्राम प्रधान ,क्षेत्र पंचायत सदस्य एंव जनता से खंड विकास अधिकारी द्वारा अमर्यादित तरीके से बात करने की शिकायत मिली है। अंकित मद्धेशिया हमारे पार्टी के वरिष्ठ नेता है इनका सम्मान और भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं रहेगा तो ऐसे खंड विकास अधिकारी को सुकरौली में रहने का कोई भी औचित्य नहीं है। जिलाधिकारी से मिलकर इनके स्थानांतरण की मांग के साथ आचरण की जांच कर इनके विरुद्ध कार्रवाई की मांग करूंगावहीं भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री श्री भागवत चौहान ने कहा कि पंचायत चुनाव के पूर्व ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शासन द्वारा एडीओ पंचायत को प्रशासक नामित किया गया था जिनके द्वारा विकास के नाम पर करोड़ों रुपए का फर्जी तरीके से भुगतान किया गया इसकी जमीनी स्तर पर जांच कर दोषियों को विरुद्ध कार्रवाई की जाए ।और सरकारी धन की रिकवरी की जाए।फोन पर बातचीत में सुकरौली खंड विकास अधिकारी सुप्रिया ने बताया कि मैं सिर्फ उनको जाने के लिए ही बोली हूं भाजपा नेता अमर्यादित तरीके से बात कर रहे थे ।रेवेन्यू का मामला लेकर मेरे पास आए थे और बार–बार मेरे ऊपर दबाव डाल रहे थे इसलिए मैंने यहां से चले जाने के लिए कही।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को मिली विविध जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र के महमूदवाग्रांट गांव में

पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार यादव की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत मेगा इवेंट रक्षा उत्सव मनाया गया। जिसमें महिला आरक्षी प्रियतमा, सोनम गुप्ता, बंदना, संगीता सिंह एवं शिखा सिंह द्वारा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, महिला हेल्प डेस्क, एवं थाने पर पीड़ित महिलाओं के आने पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अतिरिक्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर श्रीमती अंजलि, आशा बहू श्रीमती अनुराधा के अलावा न्यू पब्लिक स्कूल महमूद वाग्रांट के बच्चे कुमारी अंजनी, कुमारी कलावती, पुष्पा, लीलावती एवं शकीरा खातून ने भी महिलाओं संबंधी अपनी समस्याएं रखी। पीड़िता अंजलि के रूप में महिला आरक्षी बंदना द्वारा महिला हेल्प डेस्क पर होने वाले प्राथमिक उपचार का डेमो दिखाया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय और प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र बहादुर सिंह उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

इसके अलावा देश को जोडने के लिये 75 ट्रेन आरंभ करने की भी बात कही। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कोरोना यो)ाओं के प्रयासों को सराहते हुए देशवासियों को चेताया कि अभी कोरोना संकट टला नहीं ...

समृद्धि का संकल्प

निस्संदेह, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का देश को संबोधन महज रस्मी नहीं होता, इससे जहां सरकार की रीतियों–नीतियों व उपलब्धियों का पता चलता है, वहीं भविष्य की रणनीतियों का भी खुलासा होता है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश करते देश के सामने पंद्रह अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां देश के गौरवशाली अतीत का जिक्र करके राष्ट्रीय आंदोलन के नायकों व शहीदों का भावपूर्ण स्मरण किया, वहीं एक नागरिक के रूप में हमारी जवाबदेही का अहसास भी कराया। उन्होंने देश की आजादी यात्रा के अमृतकाल में प्रवेश पर उन योजनाओं का भी खाका खींचा जो देश के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करते वक्त स्वर्णिम तस्वीर उकेर सकेंगी। उन्होंने इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को तो जाहिर किया ही, साथ ही युवा शक्ति के देश से अपने सामर्थ्य से इस राष्ट्रीय यज्ञ में आहुति देने का आह्वान भी किया, जिससे देश दुनिया में खुद को सबसे बड़े व सफल लोकतंत्र के रूप में साबित कर सके। उन्होंने युवा आबादी के रूप में देश के संसाधनों की ताकत का जिक्र करते हुए अमृतकाल के संकल्पों का पूरा होने का विश्वास भी जताया। प्रधानमंत्री ने जहां सहकारिता की अवधारणा पर बल देते हुए सरकार व समाज की सामूहिक भागीदारी का जिक्र किया, वहीं इस दिशा में प्रयासों के लिये सहकारिता मंत्रालय खोले जाने की जानकारी भी दी। प्रधानमंत्री ने उन बाधाओं को दूर करने के प्रति भी चेताया जो नये उद्यमों को शुरू करने तथा रचनात्मक प्रयासों में बाधक बनते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास की दिशा में हमने नियम–प्रक्रियाओं के सरलीकरण की तरफ कदम बढ़ाया है, लेकिन इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने विकास की गति को मंथर करने वाली लाल फीताशाही को खत्म करने का आह्वान किया, जिसके लिये प्रधानमंत्री ने सरकारी विभागों व कर्मचारियों को कार्यशैली के सरलीकरण पर जोर दिया, जिससे भारत में नये उद्यम लगाने व उद्योगों के विकास की राह सरल बन सके। प्रधानमंत्री ने इस अमृतकाल की विशिष्ट यात्रा में जन–भागीदारी की वकालत की और मोदी सरकार के चिर–परिचित नारे श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासय में उन्होंने श्सबका प्रयासय भी जोड़ा है जो स्वतंत्रता सेनाओं के अथक प्रयासों से हासिल स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने में सहायक साबित होगा। साथ ही कहा कि हर व्यक्ति अपनी भूमिका के जरिये राष्ट्र विकास में अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करे। प्रधानमंत्री ने समतामूलक विकास की कड़ी में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लिये सरकार द्वारा संसद में लाये गये विधेयक का जिक्र भी किया। वहीं बीते वर्ष सरकार द्वारा लाये गये तीन नये कृषि कानूनों के कुछ राज्यों में जारी विरोध के बीच प्रधानमंत्री ने किसानों को भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि देश के अस्सी फीसदी किसान दो हेक्टयेर जमीन पर जीविका उपार्जन कर रहे हैं। सरकार ने इस तबके को ध्यान में रखकर नीतियां तैयार की हैं। इनके लिये कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सीधे उनके खातों में भेजी गई है। सरकार का प्रयास है कि हर ब्लॉक स्तर पर कृषि उपज भंडारण की व्यवस्था की जाये। उनके भाषण में सबसे महत्वपूर्ण विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिये सौ लाख करोड़ खर्च करने का उल्लेख था। साथ ही उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों के प्रति सरकार की प्राथमिकता को उजागर किया और सभी पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को रेल से जोडने का संकल्प जताया।

लाचारी में खजूर क्यों बेचें हुजूर

आलोक पुराणिक

दिल दहल–सा गया उन उस्ताद का फोटू खजूर की सेल के साथ देखकर।

सरोद के पिचहत्तर पार के वह उस्ताद हाथ में सरोद लिये बैठे हैं, साथ में बताया गया है कि फलां खजूर खाइये सिर्फ पांच रुपये में। खजूर खाना बहुत अच्छी बात है, खजूर बेचना भी बहुत अच्छी बात है, पर संगीत के इतने बड़े उस्ताद हाथ में सरोद लेकर खजूर बेचें, तो उस्ताद और सरोद दोनों की बेइज्जती खराब होती है। 75 पार के वयोवृद्ध उस्ताद के चेहरे पर एक दीनता का भाव है, हाथ में सरोद है, फोटो देखकर लग रहा है कि अभी कह उठेंगे–ले लो, ले लो कंटान करारे, खजूर, हुजूर बेहतरीन है खजूर हैं, एक बार खाइये।

उफ्फ, सीखा सरोद, बेचें खजूर कुछ कहावत हो सकती है, पढ़ें फारसी बेचें तेल टाइप्स। उस्ताद के चेहरे पर ऐसे भाव हैं कि ले जाओ भाई प्लीज ले जाओ।

सरोद बहुत ही दयनीय लग रहा है बताओ क्या हो रहा है। सरोद वह सेल्स काउंटर लग रहा है, जिस पर रखकर खजूर बेचा जा रहा है। खजूर की अपनी जगह है, सरोद की अपनी जगह है, सेल की अपनी जगह है। तीनों एक ही जगह मिल जाते हैं, तो खजूर की इज्जत भले ही बढ़ जाये, पर सरोद और उस्ताद की इज्जत अफजाई कतई नहीं होती।

क्या सरोद के गुण ग्राहक न रहे। उस्ताद क्या कहना चाह रहे हैं कि फलां ब्रांड के खजूर खाकर सरोद बजाना बेहतर आता है। उस्ताद खजूर और सरोद को जोड़कर क्या बताना चाहते हैं, यह सवाल बेकार का है। अमिताभ बच्चन तो जाने क्या क्या बेचते हैं। पर अमिताभ बच्चन अगर कुछ न बेचते दिखें, तो अमिताभ बच्चन न लगेंगे। पुराने वक्त के यह एंग्री यंगमैन अब स्मार्ट सेल्स मैन हो गये हैं। इसे विकास ही माना जायेगा।

पर पर पर, उस्ताद सरोद वाले खजूर बेचते अच्छे न लग रहे हैं, धक्का–सा लगता है। संगीत की धारा में डुबो देने वाला उस्ताद खजूर ले लो, खजूर ले लो करे, यह बात अशोभनीय तक मालूम देती है। क्या सरोद सुनने वाले, सरोद सुनने का पैसा देने वाले खत्म हो गये क्या देश विदेश में।

पता नहीं, मैंने तो कभी भी सरोद न सुना। इलीट लोग सरोद सुनते थे और उसके पैसे भी देते थे, क्या उन्होंने भी सरोद सुनना बंद कर दिया? पर एक मसला यह भी है कि बड़े लोग कमाई के मामले में कहीं रुकना नहीं चाहते। बड़े–बडे खिलाडियों को सरकारें करोड़ों रुपये देती हैं, ये इनाम, वो इनाम, फिर भी खिलाड़ी कहीं न कहीं कोल्ड ड्रिंक या कुछ और बेचते दिख जाते हैं। कमाई चाहे जितनी हो, कुछ एक्स्ट्रा कमाई की चाह किसे नहीं है। कुछ ऊपर की हो जाये, ऐसी चाह किसकी नहीं है। ऐसा लगता है उस्ताद सरोद वाले क्या कुछ ऊपरवाली के चक्कर में हैं। उनका भी हक है, बस सरोद को हटा दें, सरोद खजूर बेचता हुआ खराब ही नहीं, अश्लील लगता है।

अधिकारियों ने लापरवाही की तो जुर्माना

न्यायालय ने इसी साल अप्रैल में एक आपराधिक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा 314 दिन के विलंब से अपील दायर किये जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने जांच एजेंसी से कहा था कि पहले वह इस विलंब की जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए जांच कराये और उसकी रिपोर्ट दे। इसके बाद यह इस अपील को विचारार्थ स्वीकार करने का अनुरोध करे...

अनूप भटनागर

बताते हैं कि अदालतों में मुकदमे दायर करने के मामले में केंद्र और राज्य सरकारें सबसे आगे हैं। यही नहीं, केन्द्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों के अधिकारी उच्चतम न्यायालय में अपील या विशेष अनुमति याचिका दायर करने के लिये निध्ार्रित समय सीमा की अवहेलना करने के मामले में भी सबसे आगे हैं। सर्वोच्च न्यायालय विलंब से अपील दायर करने के मामलों में कई बार सख्त टिप्पणियां करने के साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों पर इसके लिए जुर्माना भी लगा चुका है।

न्यायालय को भी अब लगता है कि सिर्फ श्खारिज हुआ प्रमाणपत्रय प्राप्त करने के लिए ही सरकारी महकमे ऐसा करते हैं। इसलिए उसने भी इन्हें वर्गीकृत प्रमाणित मामलों की श्रेणी में रखना शुरू कर दिया है। ऐसे मामलों में अधिकारी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए ऐसा करते हैं ताकि भविष्य में उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा सके और मुकदमे में राहत नहीं मिलने का ठीकरा न्यायालय पर फोड़ा जा सके। न्यायालय ने अब इस तरह के अत्यधिक विलंब के मामलों में सरकारों पर जुर्माना करने के साथ ही इसकी जांच करने और विलंब की जिम्मेदारी निर्धारित करके ऐसे अधिकारियों से यह रकम वसूलने का आदेश देना शुरू कर दिया है। न्यायालय ने अपने आदेशों में यह भी कहा है कि लापरवाह अधि ाकारियों से धनराशि वसूले जाने का प्रमाणपत्र उसके सामने पेश किया जाए। केन्द्र और राज्य सरकारों पर जुर्माना लगाने के न्यायिक आदेशों का बहुत ज्यादा असर नहीं होते देख अब उच्चतम न्यायालय ने ऐसा निर्णय लिया।

किसी वाद में आदेश या फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में 90 दिन के भीतर अपील करनी होती है। इस अवधि के बाद अपील दायर होने पर विलंब माफ करने का आवेदन किया जाता है। आमतौर पर न्यायालय इस विलंब के लिए माफी का अनुरोध स्वीकार कर लेता है। लेकिन यह देखा जा रहा है कि केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से दायर होने वाली याचिकाओं तथा अपीलों में विलंब हफ्ता दो हफ्ता नहीं बल्कि चार–चार साल तक का हो रहा है। न्यायालय बार–बार सरकारों को आगाह कर रहा है कि वह विलंब से अपील या याचिका दायर करने के सरकारी अधिकारियों के रवैये को अपना अधिकार नहीं समझे। सरकार को तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी अपील या याचिका कानून और नियमों के तहत निर्धारित अवधि के भीतर दाखिल की जाए ताकि यह दूसरे वादकारियों के लिए नजीर बने। लेकिन यहां इसका उलटा हो रहा है।

न्यायालय ने नाराजगी के चलते हाल ही में 1356 दिन के विलंब से दायर केन्द्र की एक अपील खारिज करते हुए 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। साथ ही न्यायालय ने कहा कि अगर वह समय के भीतर याचिका दायर करने में सक्षम नहीं है तो उसे समय सीमा की अवधि बढ़ाने का विधायिका से अनुरोध करना चाहिए। केन्द्र सरकार ने पंजाब उच्च न्यायालय के 31 जुलाई, 2017 के फैसले के खिलाफ 1356 दिन के विलंब से याचिका दायर की थी।

इसी तरह से अपील दायर करने में लापरवाही और विलंब के मामले में शीर्ष अदालत ने 23 जनवरी, 2021 को उत्तर प्रदेश और कर्नाटक सरकार पर 25–25 हजार रुपये का जुर्माना किया था। उ.प्र. सरकार ने अपील दायर करने में 502 और कर्नाटक ने 1288 दिन का विलंब किया था। न्यायालय ने जनवरी महीने में ही 1954 दिन के विलंब से अपील दायर करने पर ओडिशा सरकार पर 25 हजार रुपये का जुर्माना किया था जबकि मध्य प्रदेश सरकार को भी 663 दिन के विलंब से अपील दायर करने पर न्यायालय ने जुर्माना लगाया था।

इसी साल फरवरी में न्यायालय ने एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के मई, 2002 के मूल आदेश के 6616 दिन के विलंब से दायर की गयी केंद्र की अपील खारिज करते हुए उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। शीर्ष अदालत ने जुर्माने की यह राशि इस विलंब के लिए दोषी अधिकारियों से वसूल कर इसका प्रमाणपत्र पेश करने का भी आदेश दिया था।

न्यायालय ने इसी साल अप्रैल में एक आपराधिक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा 314 दिन के विलंब से अपील दायर किये जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने जांच एजेंसी से कहा था कि पहले वह इस विलंब की जिम्मेदारी निध्ार्रित करने के लिए जांच कराये और उसकी रिपोर्ट दे। इसके बाद यह इस अपील को विचारार्थ स्वीकार करने का अनुरोध करे।

दरअसल, केंद्र और राज्य सरकारों की विलंब के कारण दायर अपील खारिज होने का लाभ दूसरे पक्ष को मिलता है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि इस विलंब में कहीं न कहीं नौकरशाही की मिलीभगत होती है और न्यायालय ने अपने आदेशों में बार–बार कहा भी है कि सिर्फ अपील खारिज होने का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए ही इतनी देर से इन्हें दायर किया जाता है। बेहतर हो कि सरकार इस ओर गंभीरता से ध्यान दे तथा ऐसे विलंब के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर विभागीय कार्रवाई करे।

तीसरा, नौकरशाही द्वारा जो निर्यातों में अवरोध पैदा किए जा रहे हैं, उसके लिए केवल ऊपर से भ्रष्ट अधि ाकारियों को सेवानिवृत्त करना जरूरी है लेकिन केवल इतना करने से सफलता नहीं मिलेगी। जब ऊपर से सख्ती की जाती है तो नीचे के अधिकारी कहते हैं कि ऊपर से सख्ती हो रही है, इसलिए हमें घूस ज्यादा चाहिए। इसलिए नीचे से अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जन सहयोग ...

सेवाओं के सूर्योदय बाजार की ओर बढ़ें

भरत झुनझुनवाला

सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021–22 में देश के समक्ष 400 अरब डॉलर के माल के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो कि कोरोना पूर्व के निर्यातों से लगभग 30 प्रतिशत अधि ाक है। निर्यातों को बढ़ाना इसलिए जरूरी होता है कि हमें जरूरी आयातों के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करनी होती है। लेकिन माल के निर्यातों से हम अपने बहुमूल्य संसाधनों का निर्यात करते हैं। जैसे चावल का निर्यात करने में हम अपनी भूमि और पानी को चावल में पैक करके विदेशियों की खपत के लिए भेज देते हैं। फिर इस निर्यात से अर्जित रकम से हम दूसरे माल जैसे अमेरिकी अखरोट अथवा स्विट्जरलैंड की चॉकलेट का आयात करते हैं। अंतिम उद्देश्य देशवासियों की खपत का ही है। हम अपने द्वारा उत्पादित माल जैसे चावल का सीधे अपने देशवासियों को देकर उनकी खपत में वृद्धि कर सकते हैंय अथवा पहले अपने माल का निर्यात करके उसके एवज में चीन में बने लेड बल्ब का आयात करके पुनरू अपने देशवासियों को खपत के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। प्रश्न है कि क्या हमें निर्यात के माध्यम से अपने नागरिकों की खपत बढ़ानी चाहिए अथवा सीधे ही अपने माल की खपत बढ़ानी चाहिए? जैसे देश में उत्पादित चावल को सीधे ही अपने नागरिकों को उपलब्ध करा दिया जाएय अथवा चीन में बने लेड बल्ब को उपलब्ध कराया जाए। सीधे दिखता है कि यदि हम स्वयं लेड बल्ब को चीन के समतुल्य सस्ता बना लें तो चावल के निर्यात और बल्ब के आयात का झंझट नहीं रह जायेगा।

आज विश्व का एक ही बाजार स्थापित हो गया है। हमारे उद्यमी चीन में फैक्टरियां लगाकर वहां पर माल बनाकर चीन से भारत एवं अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि हमारे उद्यमियों के पास वैश्विक स्तर की उत्पादन तकनीकें उपलब्ध ा हैं और कच्चे माल का एक ही वैश्विक बाजार है। जैसे लेड बल्ब बनाना है तो भारत का उद्यमी आज यह पसंद करता है कि वह चीन में बनाकर चीन से भारत को निर्यात करे। वह भारत में ही उसी लेड बल्ब को बनाना पसंद नहीं करता। यद्यपि उसके पास तकनीकें और कच्चा माल उपलब्ध है। जब हमारे उद्यमी देश में लेड बल्ब का उत्पादन करना नहीं चाह रहे हैं तो उस परिस्थिति में सोचना कि हम देश में लेड बल्ब जैसे तमाम माल का उत्पादन करके निर्यात बढ़ा सकेंगे, लगभग असंभव दिखता है। इस समस्या का एक पक्ष देश की न्याय व्यवस्था, श्रम कानून इत्यादि है, जिससे अपने देश में सभी माल की उत्पादन लागत अधिक हो जाती है। निर्यातों के सन्दर्भ में अपने देश की नौकरशाही का अवरोध है।

मुंबई के एक निर्यातक ने अपनी दास्तां इस प्रकार बयां की। उन्हें 40 टन का एक कंटेनर केमिकल का निर्यात किसी विशेष दिन तक करना था। उनका कंटेनर बंदरगाह पर समय से पहुंच गया। लेकिन बंदरगाह के इंस्पेक्टर ने कहा कि वह उस कंटेनर में रखे हुए 25–25 लीटर के 1600 जरकिन को प्रत्येक को निकाल कर वजन करेंगे। यदि इंस्पेक्टर ऐसा करते तो इस कार्य में 2 दिन लग जाते और निर्यातक का आर्डर कैंसिल हो जाता और उसे डैमेज भी देने पड़ते। इस परिस्थिति में निर्यातक ने इंस्पेक्टर को 50,000 रुपये की घूस दी और अपने माल का निर्यात किया। सरकार को अपने उद्यमियों द्वारा अपने देश में ही माल के उत्पादन को न किए जाने के कारणों को जानकर उनका निवारण करना चाहिए, जिसमें प्रमुख नौकरशाही का अवरोध है।

वर्तमान समय में निर्यातों को बढ़ाने में कोरोना संकट का भी अवरोध है। तमाम विश्लेषकों का मानना है कि कोरोना संकट के अलग–अलग समय अलग–अलग देशों में उत्पन्न होने के कारण आज बड़े उद्यमी विदेशों से आयातित माल पर निर्भर नहीं होना चाहते।

उन्हें भय रहता है कि यदि कच्चा माल सप्लाई करने वाले देश में कोरोना का संकट आ गया और माल समय से नहीं पहुंचा तो उनका स्वयं का उत्पादन ठप हो जाएगा। इसलिए वैश्विक स्तर पर माल के उत्पादन का श्राष्ट्रीयकरणय होने की तरफ हम बढ़ रहे हैं। उद्यमी चाहते हैं कि कच्चा माल स्वयं बना लें। इस परिस्थिति में अपने देश से निर्यातों को बढ़ाना तीन कारणों से कठिन होगा। पहला यह कि अपने उद्यमियों को स्वयं देश में उत्पादन रास नहीं आ रहा है। दूसरा यह कि हमारी नौकरशाही द्वारा निर्यातों में अवरोध पैदा किया जा रहा है। और तीसरा यह कि वैश्विक बाजार राष्ट्रीयकरण की तरफ बढ़ रहा है।

फिर भी अपनी कुछ जरूरतों जैसे ईंध ान तेल एवं फॉस्फेट फर्टिलाइजर के आयातों के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए निर्यातों को बढ़ाना ही होगा। इस दिशा में सरकार को तीनों समस्याओं का निदान करना होगा। पहले, जैसा ऊपर बताया गया है कि माल के वैश्विक व्यापार का राष्ट्रीयकरण होगा। लेकिन जानकारों का मानना है कि सूचना का वैश्वीकरण और तेजी से होगा। सूचना या सॉफ्ट माल को इंटरनेट के माध्यम से आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जा सकता है। इसमें कोरोना की बाधा नहीं आती है। इसलिए सरकार यदि उत्पादित माल के निर्यात बढ़ाने के स्थान पर सेवाओं जैसे ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, अनुवाद, सिनेमा, संगीत आदि के निर्यात पर ध्यान दे तो हम सफल हो सकते हैं। सेवाओं के सूर्योदय मार्केट की तरफ हमें बढना चाहिए और माल के वैश्विक मार्केट के पीछे नहीं भागना चाहिए।

दूसरा, देश के उद्यमी अपना देश छोड़कर जो बांग्लादेश, वियतनाम, चीन आदि देशों में जाकर फैक्टरी लगा रहे हैं, उसके पीछे सामाजिक विवादों में वृद्धि दिखती है। अपने देश का सामाजिक ढांचा थरथरा रहा है। उद्यमी नहीं चाहता कि वह अपने परिवार या अपने स्वयं के जीवन को इस प्रकार के वातावरण में रखे। इसलिए उनके लिए यह उत्तम रहता है कि वे ऐसे देश में जाकर कार्य करें जहां पर उनकी अपनी और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित हो। इसलिए सरकार को देश में सामाजिक सौहार्दता बनाने पर ध्यान देना होगा।

तीसरा, नौकरशाही द्वारा जो निर्यातों में अवरोध पैदा किए जा रहे हैं, उसके लिए केवल ऊपर से भ्रष्ट अधिकारियों को सेवानिवृत्त करना जरूरी है लेकिन केवल इतना करने से सफलता नहीं मिलेगी। जब ऊपर से सख्ती की जाती है तो नीचे के अधिकारी कहते हैं कि ऊपर से सख्ती हो रही है, इसलिए हमें घूस ज्यादा चाहिए। इसलिए नीचे से अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जन सहयोग की व्यवस्था करनी पड़ेगी। जनता के सहयोग से ही नीचे के भ्रष्टाचार और नौकरशाही के अवरोध ा को दूर किया जा सकेगा। इन कदमों से सरकार फिर भी कुछ हद तक निर्यातों में वृद्धि हासिल कर सकती है।

अफगानिस्तान में फंसा देवरिया का युवक, स्वजन चिंतित

देवरिया । अफगानिस्तान की स्टील फैक्ट्री में देवरिया, गोरखपुर समेत पूर्वी उप्र व बिहार के 28 भारतीय फंसे हैं। तालिबानियों के डर से वह फैक्ट्री से बाहर नहीं निकल रहे हैं। फैक्ट्री की तरफ से उन्हें खाने–पीने की चीजें मुहैया कराई गई हैं। सभी भारतीय घरवालों के संपर्क में हैं। अभी किसी ने भारतीय दूतावास या प्रशासन से संपर्क नहीं साधा है। वहीं घरवाले अफगानिस्तान के हालात देख सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। भलुअनी थाना क्षेत्र के भलुअनी गांव के रहने वाले नंदजी गुप्ता के बड़े पुत्र नीतीश एक साल से अफगानिस्तान के खान स्टील फैक्ट्री न्यू बगराम रोड में काम कर रहे हैं। वह पिछले महीने छुट्टी पर घर आए थे और 14 जुलाई को वापस चले गए। उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बातचीत में बताया कि स्टील फैक्टी में गोरखपुर के मैंसहट के रंजीत कुमार मौर्य के अलावा आजमगढ़, मऊ समेत पूर्वी उप्र व बिहार के पटना के 28 लोग यहां फंसे हैं। अफगानिस्तान में तालिबानी सत्ता होने व हालात खराब होने के कारण डर का माहौल है। हम लोग फैक्ट्री में ही हैं। फैक्ट्री चालू है। सभी लोग काम भी कर रहे हैं। फैक्ट्री के लोग हालात सामान्य होने पर घर भेजने का दे रहे दिलासा: फैक्ट्री के मालिक ने कहा है कि आप लोग घबराइए मत। हालात सामान्य होने पर घर भेज देंगे। 21 अगस्त के बाद हालात सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है। नीतीश ने बताया कि फैक्ट्री से आठ किलोमीटर दूर काबुल एयरपोर्ट है। एयरपोर्ट के नजदीक के हालात बेहद खराब हैं। इससे मालिक किसी को बाहर नहीं जाने दे रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि यहां आप सभी लोग सुरक्षित हैं। खाने–पीने की चीजें उपलब्ध हैं।

एसी में सभी लोग रहते हैं। तीन–चार दिन में यदि हालात नहीं सुधरते हैं तो हम लोग भारतीय दूतावास व प्रशासन से संपर्क करेंगे। स्वजन सकुशल वापसी का कर रहे प्रार्थना : भलुअनी रू मां पार्वती देवी बेटे की वापसी को लेकर रो रहीं हैं। उनको बेटे की याद सता रही है। फोन पर बेटे से बात कर रोने लगती हैं। पिता नंदजी गुप्ता भी चिंतित हैं। बेटे को सकुशल घर वापस आने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। नीतीश के भाई चंदन ने बताया कि भइया सुबह शाम वीडियो काल के जरिए हालचाल बता रहे हैं। हम लोग उनको लेकर चिंतित हैं। सकुशल देश लौटने के लिए जल्द ही जिलाधिकारी व विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जाएगा।

इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी पर दें जोर : सीओ

देवरिया। देवरिया सदर रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने का क्षेत्राधिकारी रचना मिश्रा ने निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेखों, शस्त्र समेत कई बिदुओं पर पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के रख रखाव व नियमानुसार कार्य करने पर संतोष व्यक्त किया। थानाध्यक्ष का मनोबल बढ़ाया। कहा इनाम के लिए थाने का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। उन्होंने फरार चल रहे इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने जोर दिया। कहा बदमाश की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज करें। सीओ मिश्रा शस्त्र, ड्यूटी रजिस्टर, उपस्थिति पंजिका, एफआइआर रजिस्टर के अलावा थाना सं संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। कहा कि मामले में गोसवारा जरूर बनाएं। महिला सिपाहियों से कहा कि कंप्यूटर की जानकारी सभी को होनी चाहिए। इसके बिना कोई अपडेट नहीं रह सकता। आने वाले समय में पेपरलेस कार्य पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए। इनामी बदमाशों के बारे में थानाध्यक्ष से पूछा तो उन्होंने बताया कि एक इनामी बस्ती का राम लखन मौर्या है उस पर 15 हजार रुपये का इनाम है। 14 वर्ष से फरार चल रहा है। उसके परिवार से या अन्य कहीं से भी उसके बारे में कोई सुराग या पता नहीं है। कई बार दबिश दी गई लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। सीओ ने कहा कि हो सकता है कहीं भेष बदल कर रह रहा हो। अगर वह है तो जरूर किसी न किसी के संपर्क में होगा। पता कर छापेमारी करें। अगर है तो वह सलाखों के पीछे चाहिए। कहा कि शस्त्रों को चलाने और शस्त्रों के बारे में सभी को जानकारी होनी चाहिए। सिपाही व उप निरीक्षक अपडेट रहें। इस अवसर पर थानाध्यक्ष अनिल सिंह यादव, उप निरीक्षक मोहन यादव के अलावा सिपाही मौजूद रहे।

बारिश में टूटीं सड़कों पर चलना मुश्किल

देवरिया। जिले की अधिकतर सड़कें बारिश के चलते खस्ताहाल हैं। उन पर चलना दूभर हो गया है। कई सड़कें गड्ढों की वजह से जानलेवा साबित हो रही है। लोगों ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। पकड़ी बाजार संवाददाता के अनुसार, पकड़ी बाजार से जनपद मुख्यालय को जाने वाली मुख्य सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है। क्षेत्र के गौतम जायसवाल, राजेश चौरसिया, संतोष पांडेय, डा. जयप्रकाश सिंह आदि ने सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। भिगारी बाजार संवाददाता के अनुसार, भिगारी–भटनी मुख्य मार्ग गोपालपुर तक 10 किलोमीटर, भिगारी बाजार से बंगरा बाजार जाने वाली सड़क पांच किलोमीटर, भिगारी बाजार से सरयां जाने वाला संपर्क मार्ग तीन किलोमीटर, खामपार से नेटुवाबीर जाने वाला संपर्क मार्ग दो किलोमीटर, भिगारी–भटनी मुख्य मार्ग से छोटे सिंह के ईंट भट्ठा होकर कुकुरघांटी जाने वाला संपर्क मार्ग एक किलोमीटर तक टूट गया है। इन मार्गों पर यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है। ग्राम प्रधान मणि प्रताप जायसवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य वशिष्ठ शाही, आनंद प्रकाश मिश्र, पूर्व प्रधान सत्येंद्र सिंह, परमहंस कुशवाहा आदि ने सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। सोहनपुर संवाददाता के अनुसार, सोहनपुर–मैरवा मार्ग एचडीएफसी बैंक के सामने जल निकासी न होने के कारण टूट गई है। गिट्टियां बिखर गई हैं। सोहनपुर–सिकरहटा मार्ग पानी व कीचड़ से सराबोर हो गया है। अकटही बाजार में कोठिलवा जाने वाली सड़क पर पानी जमा है। लार रोड संवाददाता के अनुसार, सलेमपुर–भागलपुर मार्ग पर कुंडौली घोठा से भागलपुर तक की सड़क टूट कर गड्ढे में तब्दील हो गई है। जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस सड़क पर नहीं है।

जनपद मुख्यालय का सफर आसान नहीं

देवरिया। भलुअनी कस्बे में सड़कें टूट गईं हैं। बरहज से जनपद मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क सोनूघाट तक कई स्थानों पर खतरनाक गड्ढों का रूप ले चुकी है। करीब 22 किलोमीटर सड़क सफर लायक नहीं है। करुअना–बरहज तक सड़क बननी शुरू हुई तो हरनौठा तक पिच पिच कार्य होने के बाद रोक दी गई। तीन किलोमीटर गिट्टी कुटाई के बाद छोड़ दी गई। भलुअनी के पास जरार मानिक तक सड़क टूट गई है। तरकुलहा गांव के पास सड़क के बीच खतरनाक गढ़ढा बना है। सोनखरिका गांव मोड़ पास सड़क टूट गई है। गड़ेर चौराहा से पहले करीब सौ मीटर सड़क टूट चुकी है। लोगों ने सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। बारिश से सड़कें टूट गई हैं। उनकी मरम्मत के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

देवरिया। तरकुलवा–कनकपुरा मार्ग पर दो सप्ताह पहले नहर पुलिया के पास हुए मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की मंगलवार की रात लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार को उसका शव गांव पहुंचा तो परिवार में चीख पुकार मच गई। थानाक्षेत्र के हरैया गांव निवासी योगेश राजभर पुत्र बैरिस्टर राजभर छह अगस्त को बाइक से गांव के ही धनंजय शर्मा पुत्र किशोर शर्मा को लेकर तरकुलवा सामान की खरीदारी करने गया था। घर लौटते समय दोनों अभी कस्बे से थोड़ी दूर कनकपुरा मार्ग पर नहर पुलिया के पास तक पहुंचे थे कि किसी वाहन ने उन्हें सामने से टक्कर मार दिया। जिससे बाइक चला रहा योगेश राजभर सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोटें आई। वह मौके पर ही बेहोश हो गया। धनंजय का कान फट गया। योगेश को इलाज के लिए स्वजन जिला अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने हालत गंभीर देखकर उसे गोरखपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। वहां से स्थिति देख डाक्टरों ने उसे केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर डाक्टरों ने बेड खाली न होने का हवाला देकर उसे एडमिट नहीं किया।

छह लोगों के खिलाफ छिनैती का मुकदमा दर्ज, दो हिरासत में

देवरिया। उपनगर के मलहटोली वार्ड के चार नामजद और दो अज्ञात समेत छह लोगों के खिलाफ पुलिस ने बलवा छिनैती का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। मलहटोली वार्ड के रहने वाले संजय शुक्ल ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया था कि आरोपितों ने घर में घुसकर मारपीट की और स्वजन के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने हिमांशु मिश्रा, प्रिस मिश्रा, सुरेश ओझा, संजीव पांडेय और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल ब्रजेश कुमार मिश्र ने बताया कि दो को हिरासत में लिया गया है। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

13879 लोगों को लगाया गया कोरोनारोधी टीका

देवरिया। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम करने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग अधिक से अधिक लोगों को कोरोनारोधी टीका लगवाने का प्रयास कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग लोगों को समझा रहा है कि टीका से ही महामारी से बचा जा सकता है। टीका लगवाने के लिए केंद्रों पर भीड़ होने के साथ ही मारामारी हो रही है। जिले में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अस्पतालों के अलावा गांवों में आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लोगों को जागरूक कर रहे हैं। बुधवार को 76 केंद्रों पर 13879 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। जिले में कुल 14300 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक 9375 लोगों को प्रथम डोज व 528 को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 2113 को प्रथम व 687 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से उपर 760 को प्रथम डोज व 412 को द्वितीय डोज दिया गया। टीका लगवाने के लिए पूरा दिन लोग जिला अस्पताल का चक्कर काट रहे हैं। अधिकांश गांवों के लोग यह समझ रहे हैं जिला अस्पताल में सीधे टीका लग रहा है। यहां आने के बाद कर्मचारी उन्हें बता रहे हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन व स्लाट बुक किए टीका नहीं लगेगा। ऐसे में दर्जनों की संख्या में लोग यहां से वापस लौट रहे हैं।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार घायल

देवरिया रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर के समीप देवरिया–कसया मार्ग पर अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार घायल हो गया। मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी भिजवाया। जहां उसका इलाज हुआ।

सदर कोतवाली के अहिरवार के रहने वाले पवन मिश्रा किसी काम से रामपुर कारखाना जा रहे थे। अभी वह रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर के निकट पहुंचे थे कि किसी वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे वह मोटरसाइकिल लेकर जमीन पर गिर पड़े और चोटहिल हो गए। उधर एक अन्य घटना में रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के पटनवा पुल के निकट बाइक पर सवार होकर जा रहे हैं दंपति अनियंत्रित होकर के गिर पड़े जिसमें महिला घायल हो गई।

जिला ईंट समिति के अध्यक्ष बने हाजी कमालुद्दीन

लहरपुर देहात (सीतापुर)। सीतापुर ईंट निर्माता समिति के अध्यक्ष हाजी कमालुद्दीन को एक बार फिर जिला ईंट समिति का सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर लहरपुर क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई और लहरपुर आगमन पर लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि हाजी कमालुद्दीन जो कि लहरपुर नगर के मोहल्ला कटरा के निवासी हैं और 11वीं बार लगातार जिला ईंट उद्योग समिति के अध्यक्ष चुने गए। उनके अध्यक्ष चुने जाने पर नगर के हाजी नसरुद्दीन, हाजी मुबाशिर हुसैन, बबलू, मुजम्मिल खान, हाजी जावेद अहमद, हाजी बदर मियां, हाजी अशरफ , हाजी फारुख, हाजी असलम, हाजी डॉक्टर सगीर अहमद, मुन्ना खान प्रधान, लहरपुर तहसील के अधिवक्ता परिषद के महामंत्री जेड आर रहमानी, हाजी नवाब अली डिग्री कॉलेज के प्रबंधक मोहम्मद जुबेर ने भी घर जाकर उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया।

23 तथा 24 अगस्त को उद्यान विभाग के कार्यों का निरीक्षण किया जायेगा:आकांक्षा राना

हरदोई।मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने बताया है कि 23 अगस्त 2021 को प्रातः 10 बजे से उनके द्वारा विकास खण्ड अहिरोरी, कछौना एवं सण्डीला परिक्षेत्र में निर्मित पंचायत भवन व सामुदायिक शौचालयों का स्थलीय निरीक्षण किया जायेगा और निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी प्रान्तीय खण्ड, सहायक अभियंता डीआरडीए, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा संबंधित खण्ड विकास अधिकारी एवं सचिव कार्य स्थल पर एमबी के साथ उपस्थित रहेगें। उन्होने कहा कि 24 अगस्त 2021 को प्रातः 10 बजे उद्यान विभाग द्वारा कराये गये कार्यो का निरीक्षण किया जायेगा।

पौधे प्रकृति का अमूल्य उपहार–वाणी गुप्ता

हरदोई।ओलंपिक खेलों में भारत के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अनेक पदक जीते तथा कई खेलो में अच्छा प्रदर्शन भी किया। पदक विजेताओं के सम्मान में लायंस क्लब हरदोई ने गौरा डांडा स्थित मेडिकल कालेज में 21 पौधे रोपित किये। पौधरोपण के बाद लायंस क्लब के पूर्व गवर्नर हरगोविंद सेठी ने कहा कि पौधे प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं।जोन चेयरमैन अवध बिहारी मिश्र ने कहा कि पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है।1000 पौधों को रोपित करने का संकल्प लेकर नवनिर्वाचित सदस्य लायन श्यामजी गुप्ता ने कहा कि वर्तमान परिवेश को देखते हुए हमें स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकता है,जो केवल पौधारोपण कर उसे संरक्षित करके ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने समाज के लोगो को मांगलिक कार्यक्रमो में पौधरोपित कर उसे संरक्षित करने का आहवान भी किया। कॉलेज प्राचार्या वाणी गुप्ता ने पौधरोपण को अच्छी पहल बताते हुए क्लब के कार्यो की सराहना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रकाश खन्ना, अविनाश चन्द्र गुप्ता, संजय अवस्थी,गौरव भदौरिया,अविनाश शुक्ल, अखिलेश गुप्ता,धर्मेंद्र गुप्ता,अनुज सेठ,केशव गुप्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के प्रकोष्ठों के जिला संयोजक व सह संयोजक की हुई घोषणा

देवरिया। भाजपा जिलाध्यक्ष अंतर्यामी सिंह ने विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला संयोजक व सह संयोजक की बुधवार की शाम घोषणा की है। जिसमें अरुण उपाध्याय को विधि प्रकोष्ठ का संयोजक, संदीप पाल व सूरज शाही को सह संयोजक, नित्यानंद पांडेय न्यू कालोनी को बुद्धजीवी प्रकोष्ठ का संयोजक, पवन राय व डा. प्रदीप राव को सह संयोजक बनाया गया है। सचिद्र उर्फ दीपू शाही को व्यवसायिक प्रकोष्ठ का संयोजक, संजय अग्रवाल व राजकुमार उपाध्याय को सह संयोजक, डा.एके विश्वकर्मा को चिकित्सा प्रकोष्ठ का संयोजक, डा. श्याम सुंदर सिंह, डा. डीके पांडेय को सह संयोजक, सुमेश्वर तिवारी को सहकारिता प्रकोष्ठ का संयोजक, नागेन्द्र सिंह, कामेश्वर तिवारी व अभय तिवारी को सह संयोजक, राजेश जायसवाल को आर्थिक प्रकोष्ठ का संयोजक, लोकेश गोयल, रणधीर गुप्ता को सह संयोजक, कैप्टन देवानंद तिवारी को पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का संयोजक, नागेंद्र तिवारी, हवलदार दयाशंकर सिंह को सह संयोजक, विमलेश पाल को बुनकर प्रकोष्ठ का संयोजक, अमित तिवारी, संतोष पाल को सह संयोजक बनाया गया है। जबकि सुनील यादव स्नेही को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का संयोजक, अजय राय व अमित रजक को सह संयोजक, डा. अशोक तिवारी को शिक्षक प्रकोष्ठ का संयोजक, गिरिजेश सिंह व नरेंद्र तिवारी को सह संयोजक, सुनील निषाद को मछुआरा प्रकोष्ठ का संयोजक, रामायन साहनी व अनिरुद्ध साहनी को सह संयोजक, सुबोध जायसवाल को व्यापार प्रकोष्ठ का संयोजक, वीरेंद्र गुप्ता व आशीष मोदनवाल को सह संयोजक, रमेश वर्मा भटनी को स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ का संयोजक, राकेश शुक्ला व बृजेश उपाध्याय को सह संयोजक, अखण्ड प्रताप सिंह को पंचायत प्रकोष्ठ का संयोजक, विनोद दीक्षित व अनूप राय को सह संयोजक, अनिल श्रीवास्तव को एनजीओ प्रकोष्ठ का संयोजक, आदित्य शरण सिंह व आशुतोष दूबे को सह संयोजक बनाया है। इसी तरह कोमल सिंह को वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का संयोजक,अनिल सिंह खेमदेई व दिग्विजय सिंह को सह संयोजक, पुनीत शाही को लघु उद्योग प्रकोष्ठ का संयोजक, ई. सुशील चंद व संदीप जायसवाल को सह संयोजक, राकेश मिश्र पंकज को शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ का संयोजक, बलवीर सिंह दादा व संजीव दूबे को सह संयोजक, अभिषेक राय अंकुर को प्रवासी श्रमिक संपर्क प्रकोष्ठ का संयोजक,ओमप्रकाश मोदनवाल व पंकज मणि को सह संयोजक, उमाशंकर सोनकर को रेहड़ी पटरी व्यवसाय प्रकोष्ठ का संयोजक, अशोक सोनकर व दीपक कुमार को सह संयोजक, राजन यादव को श्रम प्रकोष्ठ का संयोजक, मनोज तिवारी व व्रतदेव विश्वकर्मा को सह संयोजक बनाया गया है। सुरेश तिवारी को दिव्यांग प्रकोष्ठ का संयोजक, गोविद चौरसिया व प्रतीक मिश्र को सह संयोजक बनाया है।

स्वतंत्रता संग्राम समिति संस्थान ने शहीद दिवस का किया आयोजन

सीतापुर। स्वतंत्रता संग्राम समिति संस्थान के तत्वावधान में 18 अगस्त शहीद दिवस का आयोजन स्थानीय लालबाग पार्क में किया गया। कार्यक्रम में 1942 में शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में एक सर्व धर्म श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक स्वतंत्रता संग्राम स्मृति संस्थान के अध्यक्ष हरीश बाजपेई ने कहा केस लालबाग पार्क का अपना एक इतिहास है। 18 अगस्त 1942 में जब अंग्रेजों ने महात्मा गांधी के दिए गए करो या मरो के नारे के विरुद्ध में स्वाधीनता सेनानियों की घेराबंदी की तो स्वाधीनता सेनानियों ने इस पूरे लालबाग पार्क में एकत्रित होकर देश की आजादी के नारे को लगाना शुरू किया एवं क्रूर अंग्रेजों ने पहले उन पर लाठीचार्ज की और फिर उन पर गोलियों की बौछार कर दी। जिसमें कई स्वतंत्र सेनानी घायल हुए एवं कई शहीद हुए जिन शहीद सेनानियों की लाशें मिली। उनमें कल्लू रामजी चंद्रभान मिश्र, बाबू भूर्जी, मैकूलाल मुन्नालाल मोहर्रम अली की स्मृति में स्तंभ बनाए गए।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद स्थल पर झंडारोहण से शुरू हुआ एवं सभी सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री वाजपेई ने कहा सिर्फ आगे आने वाली पीढ़ी को इन स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं देश को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देश भक्ति के गीत गाए गए। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिव नारायण लाल शर्मा का अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।

अधिक लोड से बार–बार जल रहा ट्रांसफार्मर

गड़ेर। विद्युत उपकेंद्र खुखुंदू से जुड़े गड़ेर गांव की आपूर्ति होती है। क्षमता से अधिक लोड होने से बार–बार ट्रांसफार्मर चल रहा है। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने की मांग की है। विकास खंड भलुअनी के गड़ेर गांव में यूपी बड़ौदा बैंक के समीप 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा है। इससे 70 से अधिक उपभोक्ता जुड़े हैं। पांच पावर कनेक्शन की आपूर्ति भी होती है। करीब 15 से 20 लोग अवैध ढंग से बिजली का प्रयोग करते हैं। इससे ट्रांसफार्मर सालभर में चार बार जल चुका है। विद्युत तार भी जर्जर हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि जर्जर तारों व ट्रांसफार्मर के रखरखाव के अभाव में ऐसी समस्या आए दिन होती है। अधिकतर दिन अंधेरे में जीवनयापन करना पड़ता है। गांव के उपभोक्ता डा. जितेंद्र सिंह, योगेश्वर शाही, सुनील शाही, अजीत उपाध्याय, अफरोज आलम, रामनाथ चौरसिया, रविद्र राजभर, संजय यादव आदि ने बताया कि 100 केवीए ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है। इसके लिए विद्युत उपकेंद्र खुखुंदू पर कई बार पत्र दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। रखरखाव के अभाव में ट्रांसफार्मर व तार जर्जर: गौरीबाजार । क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मर रखरखाव के अभाव में दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। ग्राम पथरहट में मार्कंडेय सिंह के ट्यूबवेल के समीप लगा 250 केवीए का ट्रांसफार्मर झाड़ियों में स्थित है। चारों तरफ जल जमाव के कारण आमजन व विद्युतकर्मियों के लिए खतरा बना रहता है। ग्राम भटौली खुर्द स्थित कोटवा टोला पर लगा ट्रांसफार्मर लोगों के अलावा पशुओं के लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है। क्षेत्र में जर्जर बिजली तारों की स्थिति दयनीय हैं। दिन में कई बार जर्जर तार टूटकर गिर रहे हैं। इससे कई बार हादसा होते–होते बचा। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान नहीं रहे हैं। अधिशासी अभियंता विद्युत गौरीबाजार ने बताया कि ट्रांसफार्मरों के रखरखाव के लिए संबंधित जेई को निर्देश दिए गए हैं।

लचर बिजली व्यवस्था से कस्बे के लोग बेहाल

लार । कस्बे में विद्युत व्यवस्था दयनीय है। दशकों पूर्व लगे पोल व तार जर्जर हैं। इससे न सिर्फ लोकल फाल्ट की समस्या है बल्कि आए दिन तार टूटकर गिर रहे हैं। हमेशा हादसे की आशंका रहती है। एक पोल से सैकड़ों लोगों को कनेक्शन दिया गया है। इससे आंधी–पानी में कई बार तार टूटकर गिर जाता है। अधीक्षण अभियंता जीसी यादव ने बताया कि इस समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जल्द ही समस्या का समाधान होगा ।

कांग्रेसियों ने चलाया महाजनसंपर्क अभियान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर।विधानसभा हाटा क्षेत्रान्तर्गत महाजनसंपर्क अभियान के तहत सुकरौली ब्लाक के बढ़या बुजुर्ग न्याय पंचायत में न्याय पंचायत अध्यक्ष रविंद्र पटेल व कार्यक्रम प्रभारी संतोष कुमार कनौजिया की देखरेख में महाजनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया कार्यक्रम का नेतृत्व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव अमरेंद्र प्रताप मल्ल ने किया, विशिष्ट अतिथि के रूप में जन सूचना अधिकार के प्रदेश सचिव सुदामा गिरी व पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की महिला जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी शर्मा की उपस्थिति रही जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस कमेटी ब्लाक अध्यक्ष सुकरौली संतोष कुमार जायसवाल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बंधु यादव ब्लाक महासचिव अर्जुन पटेल ब्लॉक सचिव कमलेश पटेल रमाशंकर चौधरी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश पटेल जगदीश भारती बनारसी चौधरी आशुतोष कुमार गुप्ता पूर्व ग्राम प्रधान रामगति पटेल हरिकेश गुप्ता पवन राजभर खुशीलाल शर्मा सहित काफी संख्या में कांग्रेसी जन उपस्थित रहे इस महा जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक पूछा गया, किसानों की समस्याओं पर उनसे बात हुई, महंगाई पर लोगों की प्रतिक्रिया को सुना गया और जाना गया इस कार्यक्रम के अंतर्गत कांग्रेस जनों ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए महंगाई बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं के मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास किया सभा के माध्यम से सरकार से महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए अपील की गई महासंपर्क जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेसियों ने विधानसभा क्षेत्र हाटा क्षेत्रान्तर्गत न्याय पंचायत डुमरी समांगी पट्टी में भी बैठक किये जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजेश तिवारी व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव सहप्रभारी उत्तर प्रदेश प्रदेश महासचिव त्रिभुवन नारायण मिश्र की गरिमामय उपस्थिति में आयोजन किया गया कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य प्रमोद पाण्डेय ने किया कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी व्यास ओझा ने किया इस महाजनसंपर्क अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी नेताओं एवम कार्यकर्ताओं के साथ–साथ स्थानीय लोग मौजूद रहे

सड़क पर पानी लगने से राहगीरों की सांसत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला गोरखपुर।गोला क्षेत्र के गोला कौड़ीराम रोड़ स्थिति

भरसी से डेहरीभार होते हुए। भूपगढ़ जाने वाले मार्ग पर बर्षात का पानी विगत दस दिनों से लगा हुआ है। जिसके चलते इस रास्ते से आने जाने वाले राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डड़वापार चौराहे से डेहरीभार होते हुए भूपगढ़ मार्ग और गोला कौड़ीराम मार्ग का विगत वर्ष उच्चिकरण हुआ लेकिन डड़वापारचौराहे से डेहरीभार – भूपगढ मार्ग चौराहे के पास महज बीस मीटर मार्ग निचा ही रह गया। जिसके चलते यहां वर्षांत में पानी लग जा रहा है। अब इस बीस मिटर मार्ग में पैदल चलनेवाले राहगीरों के लिए मुसीबत भरा हुआ है। उस मार्ग से बाइक और चार पहिया बाहनो से उछने वाला गंदा पानी उनके उपर पड़ रहा है। यहां पानी लगने की एक वजह यह भी है कि यहां के अगल बगल के दुकानदारों ने पुलिया को पाट दिया है। और सड़क किनारे की जमीन को अपने कब्जे में लेकर उचा पाट दिया है। यहां के स्थानीय अभिषेक चन्द, बेनिमाधव मिश्रा, राजकुमार मिश्रा, विजय सिंह, गुड्डू मिश्रा, छंग्गे प्रसाद आदि ने सासन प्रसासन से जल निकासी की समस्या निजात दिलाने की मांग की है।

फोन का लोकेशन जांच कराएं प्रशासन, खुल जायेगा मामला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तमकुहीराज,कुशीनगर। पत्रकार को फोन पर धमकी देने के

मामले को लेकर पत्रकारों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी के कार्यालय पहुँच अभियोग दर्ज कर कार्यवाही की मांग किया है।सनद हो कि शराब व पशु तस्करी के साथ गम्भीर आपराधिक घटनाओं के मामले में निष्पक्ष खबरों को लेकर चर्चित वरिष्ठ पत्रकार की लेखनी कुछ लोगों को चुभ रही है, जिसकों लेकर वे लोग साजिश कर उन्हें प्रताड़ित करने व नुकसान पहुँचना चाहते है। इसी क्रम में 18 अगस्त को रात 08.50 बजे फोन कर उन्हें धमकियां दी गयी।पत्रकारों ने इस मामले मामला दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग के साथ यह कहा कि घटना के समय उक्त मोबाइल का लोकेशन ट्रेस करा लिया जाय तो सारा मामला खुल जायेगा।पीड़ित पत्रकार अशोक मिश्र ने कहा कि मेरे खिलाफ बड़ा खड़यंत्र किया जा रहा, मेरे जान का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने समय रहते इसका संज्ञान नहीं लिया तो मेरे साथ कोई भी अनहोनी हो सकती है।इस दौरान रजनीश कुमार राय, पारसनाथ पांडेय, दीपक पांडेय, कृपा शंकर यादव, रमाशंकर सिंह, कृष्ण मुरारी पांडेय, रबिन्द्र तिवारी, अशोक द्विवेदी, राम मिश्र आदि सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहें।

बिजली बिभाग की उदासीनता लगभग एक महीने से खराब ट्रांसफर अभी भी उसी हाल में

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। कर्मा ब्लॉक के टिकुरिया ग्राम में रामजी

यादव के घर के समीप का ट्रांसफार्मर लगभग 1 महीने से खराब पड़ा है जिसकी सूचना उनके द्वारा विभाग को 1912 पर दी गई लेकिन बिजली विभाग के उदासीनता के कारण अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया उन्होंने बताया की जब हमारी 1912 पर बात हुई तो उन्होंने कहा कि आप की सूचना हम अधिकारियों को दे दिए हैं। जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदला जाएगा लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और लगभग 6 घर के लोग अंधेरे में रहने के लिए मजबूर है मिट्टी का तेल मिलता नहीं बरसात का महीना है। जिससे रहवासियों को बिजली के अभाव में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जब इस सम्बन्ध में बिभाग के जेई से वार्ता हुई तो उन्होंने कहा कि उपर सूचना दे दी गई है। वर्कसाप से आयेगा तो लगेगा रहवासियों ने संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया ले।

मौलिक कवि दिवस के रूप में मने अटल जी की पुण्यतिथि: रचना तिवारी

गीतकार डॉ रचना तिवारी की नई पहल को सभी क्षेत्रों के लोगों ने सराहा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज में 16 अगस्त सन 2018 की तिथि एक ऐसे कवि हृदय के लिए याद की जाती रहेगी जिसने सत्ता में रहकर भी अपनी कलम से कभी समझौता नहीं किया । ऐसे कवि हृदय, सरल व्यक्तित्व व कुशल और सफल राजनेता रहे अटल बिहारी बाजपेई को याद किए जाने हेतु एक हस्ताक्षरित दिवस बनाने की अद्भुत पहल देश की सुप्रसिद्ध रचनाधर्मी गीतकार रचना तिवारी ने की ,जिसकी जितनी भी सराहना जाए कम है। उनकी इस यादगार मनाने वाली पहल को अंतरराष्ट्रीय जगत के पत्रकारों,साहित्यकारों, समाजसेवियों और कवियों ने जमकर ना सिर्फ सराहना की बल्कि उसे अपना नैतिक समर्थन भी प्रदान किया। गीतकार रचना तिवारी के अनुसार देश के अधिकतर पेशेवर कवि अटल जी के नाम का बैनर लगाकर काव्य पाठ तो खूब करते हैं किंतु उनके व्यक्तित्व और कविता के उसूलों को जरा भी नहीं अपनाते। रचना तिवारी की माने तो अटल जी के जीवन की मौलिकता का प्रभाव उनकी रचना धर्मिता पर पूरी तरह था। उनकी कविताएं उनके सहज जीवन का भोगा हुआ सच थीं मौत से ठानने वाला इंसान आज हमारे बीच नहीं है किन्तु उनकी जीवटता का पर्याय उनकी रचनाएं और उनका कृतित्व विश्व को गर्व की अनुभूति कराता रहता है। कवयित्री रचना यहीं नहीं रुकी बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि जहां पर कविता और कवि सम्मेलन सिर्फ पेशा और रोजगार बन चुके हों ,जहां कवि सम्मेलनों को पाने के लिए हर गिरावट को

अपनाया जा रहा हो ऐसे में मौलिक कवि दिवस का सृजन करना उनकी और उनके लोगों की दुर्लभ सोच है। उन्होंने पूर्ण विश्वास के साथ कहा कि ऐसे महामानव की पुण्यतिथि सामान्य नहीं हो सकती इसीलिए इस दिवस को श्मौलिक कवि दिवसश् के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। कहां आज देश से लेकर विदेश तक ,सोशल मीडिया के हर पटल पर कवि तो बहुत हैं किन्तु मौलिक कुछ ही कवि हैं। अटल तुम्हारा चरित स्वयं ही रामायण और गीता है, जिसने जितना जाना वो उतना ही रीता–रीता है। उपरोक्त पंक्तियों के अपने मुखड़े से अटल जी को अपने श्रद्धासुमन समर्पित करने वाली गीतकार रचना तिवारी ने अटल जी की पुण्यतिथि को मौलिक कवि दिवस के रूप में समूचे सोशल मीडिया पर विस्तार देकर लोगों को अचंभित कर दिया जिसे भरपूर सराहना मिली। दिल्ली से प्रोफेसर सुधांशु शुक्ला, वर्जिनिया से साहित्यकार धनन्जय कुमार, बल्गारिया से मोना कौशिक, कोटा से नरेश निर्भीक, राजस्थान डींग से सुरेंद्र सार्थक, इटावा से कमलेश शर्मा ,बनारस से अनिल चौबे ,औरैया से अजय अंजाम ,ग्वालियर से साजन जी ,मेरठ से मनोज कुमार ,छतरपुर से अभिराम पाठक,नोयडा से सत्यपाल सत्यम के साथ साथ बहुतेरे बड़े एवं प्रसिद्ध कवि – कवयित्रियों ने इस दिवस को मौलिक कवि दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया । इन बड़े कवियों द्वारा भी मौलिक कवि दिवस का जनजागरण पूरी सामर्थ्य के साथ किया गया । सोनभद्र के वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी ने मौलिक कवि दिवस की सराहना की और गीतकार रचना तिवारी को इस नवीन सोच के लिए बधाई दी ,सोन साहित्य संगम के संयोजक राकेश शरण मिश्र ने अगले वर्ष से मौलिक कवि दिवस मनाने की घोषणा की, प्रख्यात समाजसेवी केसी जैन,वरिष्ठ शिक्षक एवं पत्रकार भोलानाथ मिश्रा, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक एवं साहित्यकार ओमप्रकाश त्रिपाठी, पत्रकार अमरेश चंद्र मिश्रा, एडवोकेट रामानुज धर द्विवेदी , पूर्व प्रधान एवं बीडीसी अमरनाथ सिंह, समाजसेवी संदीप सिंह चंदेल, संतोष पांडेय, दिलीप सिंह ,अरुण सिंह,छोटे नेता, पूर्व विधायक तीरथ राज, अलका केसरी ,राजेश अग्रहरि, डॉक्टर परमेश्वर दयाल पुष्कर, संजीव श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान एवं कवि इकबाल अहमद आदि ने रचना तिवारी के इस नई पहल की सराहना करते हुए इसे एक सार्थक पहल की संज्ञा दी है।

जय भारत महासंपर्क अभियानष् के तहत कांग्रेसी हुए लोगों से रूबरू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व–जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने बताया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित ष्जय भारत महासंपर्क अभियान ष् जो दिनांक 19,20 व 21 तारीख को 75 घंटे का पूर्व से निर्धारित है उसके तहत घोरावल विधानसभा के न्याय पंचायत गुरु परासी के ग्राम सभा परासी पांडे में आज न्याय पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार कोल के साथ ग्राम सभा परासी पांडेय में आम जनमानस से मिलकर वहां के स्थानीय समस्याओं पर

विचार–विमर्श करते हुए मौजूदा स्थिति की जानकारी लिया । जिसमें स्थानीय लोगों के द्वारा तरह–तरह की बातें भी सामने आई । पांडेय परासी में ग्रामसभा के लोगों ने बताया, कहीं सफाई व्यवस्था नदारद है, तो वही हैंडपंप में पानी नहीं आ रहा है, गर्मियों में पानी की बहुत बड़ी दुर्दशा हैं, मौजूदा स्थिति में भी पानी समय अंतराल पर मिल पाता है ,बिजली की कटौती मनमाना रूप से है , भोजन के समय बिजली गायब रहती है, बार–बार बिजली का आना जाना लगा रहता है ,कई किसानों ने स्थानीय बुजुर्गों ने कहा कि कांग्रेस के समय में जो भी उन्हें जमीन मिली है ,जो व्यवस्थाएं मिली ,जिसमे मिट्टी के तेल, चीनी, राशन मिला करती थी, यह सब व्यवस्थाएं अब नहीं मिल रही है। मौजूदा काल में जो दुर्दशा है, उसमें जीविकोपार्जन भी काफी कठिन हुआ है।इन सब तरह की तमाम समस्याएं सामने आई हैं जिनको नोट भी कर लिया गया है और वह आगे भी भेजा जाएगा । मुख्य रूप से साथ में चलने वालों में उपस्थित लोगों में कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा के साथ स्थानीय दयाशंकर देव पांडे, श्याम बिहारी, जितेंद्र यादव,राजेश यादव, राजकुमार यादव,चंद्रिका त्रिपाठी, प्रभु भारती,दुर्गावती भारती, रामविलास भारती, बनारसी भारती, प्रियांशु भारती, पप्पू पांडे ,सुराती भारती,बल्लू भारती,रहे।

पुलिस क्लब की दीवार पर चढ़कर महिला ने अपनी धोती से फांसी लगाने का किया प्रयास

हरदोई। जिले में आज उस समय सनसनी फैल गई, जब हरदोई के पुलिस अधीक्षक के दफ्तर से कुछ दूर पर बने पुलिस क्लब की दीवार पर चढ़कर एक महिला ने पेड़ से अपनी धोती से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। दिनदहाड़े महिला की फांसी लगाता देखकर पब्लिक के लोगों का शोर सुनकर पुलिसकर्मियों ने दीवार पर चढ़कर महिला की फांसी का फंदा खोल महिला को बचाया। महिला का आरोप है कि ससुराली जन उसका उत्पीड़न कर रहे हैं हालांकि इस मामले में कुछ दिन पहले भी पुलिस ने पीड़ित महिला और ससुराली जनो में समझौता कराया था। महिला पिहानी थाने की बूढ़ा गांव के रहने वाले विनोद की पत्नी प्रमिला है। प्रमिला कुछ मंदबुद्धि भी बताई जा रही है। महिला का आरोप है कि उसके ससुर और ससुराल के दूसरे लोग उसका उत्पीड़न कर रहे हैं।उसके साथ मारपीट करते हैं। महिला द्वारा पुलिस क्लब की दीवार पर फांसी लगाने की घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है।पुलिस के अनुसार, इस महिला का पारिवारिक विवाद में कुछ समय पहले महिला और उसके ससुराल वालो के मध्य लिखित समझौते के द्वारा इसके मामले को निपटाया जा चुका है। अब इस महिला के आज लगाए गए आरोपों की नए सिरे से जांच की जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसपर कार्रवाई की जाएगी।

कल लखनऊ में राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री द्वारा किया जायेंगा मिशन शक्ति के तीसरे चरण का शुभारम्भ

बस्ती। मिशन शक्ति के तीसरे चरण का शुभारम्भ 21 अगस्त को लखनऊ में राज्यपाल तथा मा0 मुख्यमंत्री द्वारा किया जायेंगा। जिला मुख्यालय पर भारत रत्न अटल बिहारी प्रेक्षागृह में 11.00 बजे से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जायेंगा तथा इसके पश्चात् विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान करने वाली 75 महिलाओं को सम्मानित किया जायेंगा। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 राजेश कुमार प्रजापति ने दी है।

उन्होने बताया कि शासन के निर्देश के क्रम में महिलाओं एंव बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए 'मिशन शक्ति' फेज–3 के अन्तर्गत विभिन्न विभागीय कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। उन्होने बताया कि दिनॉक 21 अगस्त को विभिन्न जनपदों से कुल 150 महिला प्रधान प्रतिनिधियों द्वारा इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जायेंगा।

इस संबंध में सीडीओ ने विकास भवन सभागार में विभागीय अधिकारियो के साथ तैयारियों की समीक्षा किया तथा विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौपा। उन्होने अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजन समिति का गठन किया है, जिसमें परियोजना निदेशक, डीआरडीए तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी को सदस्य नामित किया है। उन्होने कहा कि कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका पुलिस, होमगार्ड, पीआरडी, मिशन, आगनबाड़ी आदि विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जायेंगा।

बैठक में परियोजना निदेशक कमलेश सोनी, डीडीओ अजीत श्रीवास्तव, बीएसए जगदीश शुक्ल, सीओ शक्ति सिंह, डीपीआरओ शिव शंकर सिंह, राजाशेर सिंह, अनुपम यादव, बीना सिंह, कुलदीप सिंह, सीडीपीओ मिथिलेश बौद्ध अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

शिक्षा प्रेरकों ने मानदेय के लिए दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व–जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार दुबे (आशु) की अगुआई में शिक्षा प्रेरकों ने प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बकाया भुगतान को लेकर जिला अधिकारी सोनभद्र के नाम एक ज्ञापन दिया, जिसमें शिक्षा प्रेरकों का कहना है की 2013 में कांग्रेस की सरकार जब केंद्र में हुआ करती थी उस समय इनकी नियुक्ति की गई थी, शिक्षा प्रेरकोंध् ब्लॉक समन्वयक की नियुक्ति गांव में 15 वर्ष के ऊपर के लोगों को शिक्षित करने हेतु की गई थी, जिसकी जिम्मेदारी व निभाते हुए अपना कार्य कर रहे थे । 31 मार्च 2018 को शिक्षा प्रेरकों की नियुक्ति रद्द कर दी गई उस समय तत्कालीन सरकार द्वारा इस नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था शिक्षा प्रेरकों का कहना है कि उनका करीब 30 महीने से लेकर 40 महीने तक का मानदेय अभी तक नहीं मिला है जिसको लेकर वह जिलाधिकारी महोदय के पास आए हैं । मौजूदा समय में करोना महामारी में जहां हर व्यक्ति परेशानियों से जूझ रहा है, शिक्षा प्रेरक भी बहुत परेशान है अगर उनका मानदेय उन्हें मिल जाएगा तो उनका कार्य जो रुका हुआ है वह होने में थोड़ा सहयोग मिल जाएगा, वह अपनी मांग में अपनी नियुक्ति बहाली के साथ बकाया मानदेय जो नहीं मिला है, उसी के बाबत आज जिलाधिकारी महोदय के नामित ज्ञापन दिए हैं। मुख्य रूप से उपस्थित करने वालों में अजय कुमार मौर्य,दयाराम ,रामविलाश,सविता देवी,अशोक कुमार ,फुलनाथ वैश्य,बृहस्पति विष्वकर्मा,श्रीकांत मिश्रा, महेश गुप्ता रहे ।

जनवादी पार्टी की जनक्रांति यात्रा 20 अगस्त को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनवादी पार्टी की जनक्रांति यात्रा डॉक्टर संजय सिंह चौहान के नेतृत्व में अन्य जनपदों से होते हुए 20 अगस्त 2021 को भाजपा हटाओ प्रदेश बचाओ जनवादी जनक्रांति यात्रा का कार्यक्रम विजयगढ़ टॉकीज में किया जाएगा जिसमें समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति समय से अति आवश्यक है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर हुआ पॉपइंडिया एप्प लांच, वेडिंग फोटोग्राफी हुआ आसानः डॉ नवीन सिंह

बस्ती । बस्ती फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस धूमधाम से मनाया गया जिसका लोकार्पण एसोसिएशन के संरक्षक प्रोफेसर डॉ नवीन सिंह यह कार्यक्रम प्रेस क्लब बस्ती ने किया और उन्होंने बताया कि आज पूरे विश्व में विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जा रहा है इससे एकजुट होकर अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे और फोटोग्राफर आय को लाभ मिलेगा । प्रेस क्लब बस्ती कंपनी बाग दोपहर 2:00 बजे किया गया। फोटोग्राफर एसोसिएशन के जोन प्रभारी गोरखपुर राना अमीर चंद ने बताया कि 10रू00 बजे से 11रू00 बजे तक वृक्षारोपण का कार्यक्रम हुआ और उसके बाद (चंनचपदकपं) मोबाइल ऐप लोकार्पण2रू00 बजे हुआ जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ में किया उसी समय ऑनलाइन उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में मोबाइल ऐप की लांचिंग हुई इस ऐप का महत्व जनपद ही नहीं उत्तर प्रदेश के सभी फोटोग्राफर भाइयों को लाभ मिलेगा और बताया कि बस्ती फोटोग्राफर एसोसिएशन के सभी फोटोग्राफर केक काटकर सेलिब्रेशन किया।उन्होंने बताया कि जनपद के प्रेस फोटोग्राफर वरिष्ठ फोटोग्राफर भाइयों को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर सम्मानित किया गया। और फोटोग्राफी प्रतियोगिता कराई गई जिसमें युवा फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बस्ती फोटोग्राफर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश ठाकुर उपाध्यक्ष फिरोज अहमद एवं प्रवीण कुमार मोनू अवधेश पांडे सरवन दीप सिंह ज्ञानेंद्र तिवारी रामविलास राम प्रसाद विश्वकर्मा नीरज अनमोल विक्की बस्ती जनपद के अनेक फोटोग्राफर सम्मिलित रहे।

भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने अंडर–20 विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में कांसा जीता

नैरोबी। भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने बुधवार को यहां अंडर–20 विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। यह अंडर–20 विश्व एथलेटिक्स चौम्पियनशिप के इतिहास में भारत का पांचवां पदक है। भारतीय टीम में भरत एस, प्रिया मोहन, सम्मी और कपिल शामिल थे। भारतीय टीम चौम्पियनशिप के फाइनल में 3रू23.60 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रही। नाइजीरिया ने 3रू19.70 सेकेंड के समय से स्वर्ण और पोलैंड ने 3रू19.80 सेकेंड के समय से रजत पदक जीता। भारत ने सुबह चौम्पियनशिप की हीट में 3रू23.36 सेकेंड के रिकार्ड समय से ओवरआल दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम के तौर पर फाइनल में प्रवेश किया था।

यह रिकॉर्ड हालांकि ज्यादा देर भारत के नाम नहीं रहा और नाइजीरिया ने दूसरी हीट में 3रू 21 . 66 के टाइमिंग के साथ इसे तोड़ दिया। भारत ने फाइनल में दौड़ने वाली अपनी टीम में बदलाव किया। हीट में दौड़ने वाले अब्दुल रज्जाक की जगह भरत ने ली। भरत ने हाल में संगरूर में फेडरेशन पक राष्ट्रीय जूनियर चौंपियनशिप में 47.55 सेकंड का समय लिया था। प्रिया और सम्मी की यह दिन की तीसरी रेस थी।

इन दोनों ने व्यक्तिगत 400 मीटर हीट में भी हिस्सा लिया था। प्रिया ने फाइनल के बाद कहा, ''हम ओलंपिक भाला फेंक से प्रेरित थे। हम दुनिया को दिखाना चाहते थे कि ओलंपिक में उनकी जीत तुक्का नहीं थी। यहां हमारी जीत कई भारतीयों को एथलेटिक्स से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी।'' इस तरह चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम के कांस्य से पहले अंडर–20 विश्व चौम्पियनशिप में भारत के लिये सीमा अंतिल (चक्का फेंक में कांस्य, 2002), नवजीत कौर ढिल्लों (चक्का फेंक में कांस्य, 2014), ओलंपिक चौम्पियन नीरज चोपड़ा स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा (भालाफेंक में स्वर्ण, 2016), हीमा दास (400 मीटर में स्वर्ण, 2018) ने पदक जीते हैं। प्रिया ने 400 मीटर की तीसरी हीट में 53.79 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई जो शनिवार को होगा। सिम्मी हालांकि हीट दो में 55.43 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए बाहर हो गई। पुरुष गोला फेंक में अमनदीप सिंह धालीवाल ने 17.92 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनाई। तार गोला फेंक में हालांकि विपिन कुमार फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 63.17 मीटर रहा जो 74 मीटर के क्वालीफाइंग स्तर से काफी कम था। भाला फेंक में कुंवर अजय सिंह राणा और जय कुमार दोनों फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। राणा ने भाला 71.05 मीटर जबकि जय ने 70.34 मीटर की दूरी तक फेंका। भाला फेंक फाइनल शुक्रवार को होगा।

कौन हैं खुद को कार्यकारी राष्ट्रपति घोषित करने वाले अमरूल्ला सालेह ? जिन्होंने तालिबान के खिलाफ परचम किया बुलंद

काबुल। अफगानिस्तान में फिर से तालिबान की वापसी के बाद अमेरिकी समर्थक अशरफ गनी सरकार गिर गई। राष्ट्रपति अशरफ गनी संयुक्त राष्ट्र अमीरात चले गए। राष्ट्रपति भवन पर तालिबानी चरमपंथियों ने कब्जा कर लिया। जिसके बाद उपराष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह ने खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अफगानिस्तान का संविधान उन्हें ऐसा करने की शक्ति देता है। अमरूल्ला सालेह ने दावा किया कि सप्ताहांत में काबुल में तालिबान के प्रवेश करने के साथ राष्ट्रपति अशरफ गनी के देश छोड़ कर चले जाने और उनका कोई अता–पता नहीं चलने के बाद उपराष्ट्रपति अब देश के वैध कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि वह सभी नेताओं से संपर्क साध रहे हैं ताकि उनका समर्थन हासिल किया जा सके और सहमति बनाई जा सके।

कौन हैं अमरूल्ला सालेह ?

राष्ट्रपति अशरफ गनी के अफगानिस्तान छोड़कर चले जाने के बाद अमरूल्ला सालेह अकेले ही तालिबानियों के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए हैं। आपको बता दें कि तालिबान ने 34 में से 33 प्रांतों में कब्जा कर लिया है लेकिन पंजशीर को नहीं जीत पाए हैं। ऐसे में अमरूल्ला सालेह ने उन्हें पंजशीर को जीतने की चुनौती दी है। अमरूल्ला सालेह खुद पंजशीर घाटी से आते हैं और वहीं से तालिबानियों के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं।

साल 1972 में जन्में अमरूल्ला सालेह बचपन में ही तालिबानी विरोधी आंदोलन का हिस्सा बन गए थे। बचपन में ही अनाथ हो जाने वाले अमरूल्ला सालेह की बहन का तालिबानियों ने अपहरण कर लिया था और फिर बाद में उनकी हत्या कर दी थी। जिसके बाद अमरूल्ला सालेह का तालिबान को लेकर नजरिया बदल गया था और फिर तालिबानी विरोधी आंदोलन का हिस्सा बन गए थे। अमरूल्ला सालेह की किस्मत उस वक्त बदल गई जब उन्होंने अमेरिका में हुए आतंकवादी हमले के बाद सीआईए की मदद की थी। उन्होंने सीआईए के लिए एसेट का काम किया था और फिर अफगानिस्तान में अमेरिकी समर्थक सरकार बनने के बाद उन्हें साल 2004 में वहां की खुफिया एजेंसी का प्रमुख बनाया गया था।

राष्ट्रपति हामिद करजई से उनकी कम बनती थी क्योंकि वो तालिबान से बात करने के हिमायती थे। जबकि अमरूल्ला सालेह तालिबान के खिलाफ एक बड़ा नेटवर्क तैयार करने में जुटे थे। लेकिन जून 2010 में आतंकवादी हमले के बाद उन्हें खुफिया एजेंसी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया।

आपको बता दें कि अमरूल्ला सालेह को पाकिस्तान का विरोधी माना जाता है। जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ समर्पित सरकार थी तो उन्होंने अफगान बलों से दूरियां बना ली थी और मुजाहिद्दीन बलों में शामिल हो गए थे। इसके अलावा उन्होंने साल 1990 में गुरिल्ला कमांडर मसूद के साथ युद्ध लड़ा था। अमरूल्ला सालेह साल 2004 से 2010 तक राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशालय के प्रमुख के पद पर थे। जबकि साल 2018 और 2019 में आंतरिक मामलों के मंत्री रहे हैं। साल 2020 में उन्हें उपराष्ट्रपति बनाया गया था और अब उन्होंने अफगानिस्तान के संविधान का हवाला देते हुए खुद को कार्यकारी राष्ट्रपति नियुक्त कर दिया है।

पांच शेरों की इस घाटी में घुसने से डरता है तालिबान, मुकाबले के लिए नॉर्दन अलायंस 2.0 पूरी तरह है तैयार

तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है। अब तालिबान अफगानिस्तान में शासन चलाने की तैयारी कर रहा है। तालिबान अफगानिस्तान के करीब–करीब सभी जिलों पर अपना शासन स्थापित कर चुका है। लेकिन अफगानिस्तान का मजबूत किला पंजशीर तालिबान के शिकंजे से अभी दूर है। काबुल से पंजशीर करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर है। पंजशीर प्रांत अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से एक है। जिसके सात जिले में 512 गांव हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजशीर की जनसंख्या 1 लाख 73 हजार के करीब है। इसकी प्रांतीय राजधानी बजारक है। अफगानिस्तान के कार्यवाहक राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह यहीं पर मौजूद हैं।

सालेह पंजशीर से बना रहे तालिबान के खिलाफ रणनीति

अमरुल्ला सालेह यहीं से तालिबान के खिलाफ रणनीति बना रहे हैं। सालेह ने इसी प्रांत से खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया है। सालेह ने पहले ही कहां था कि वो तालिबान के आगे झुकेंगे नहीं। अमरूल्ला सालेह ने ट्विटर पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान का संविधान उन्हें इसकी घोषणा करने की शक्ति देता है। उन्होंने ट्विटर कहा– ष्अफगानिस्तान के संविधान के मुताबिक, राष्ट्रपति के इस्तीफे, उनके निधन, भागने या गैर–मौजूदगी में प्रथम उपराष्ट्रपति केयर टेकर राष्ट्रपति होंगे। अमरुल्ला सालेह का भारत के साथ कनेक्शन भी है। सालेह अफगानिस्तान की सेना के साथ वहां के इंटेलिजेंस के मुखिया रह चुके हैं। इन दिनों अमरूल्ला सालेह की कुछ तस्वीरें भी सामने आई जिसमें वे अहमद मसूद के साथ दिख रहे हैं। वो तालिबान विद्रोही लीडर अहमद शाह मसूद के बेटे हैं। दावा किया जा रहा है कि अफगान फोर्स के सिपाही मसूद के बुलावे पर पंजशीर में जुट रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सालेह अहमद मसूद की मदद लेकर तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। कभी नहीं जीत पाया तालिबानः पंजशीर को पंजशेर भी कहते हैं जिसका अर्थ होता है पांच शेरों की घाटी। काबुल के उत्तर में 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस घाटी के बीच पंजशीर नदी बहती है। हिंदकुश के पहाड़ भी इससे ज्यादा दूर नहीं। पंजशीर एक अहम हाइवे भी है, जिससे हिंदकुश के दो पास का रास्ता निकलता है। पंजशीर में हजारा समुदाय के लोग भी रहते हैं जिन्ह्हें चंगेज खान का वंशज समझा जाता है। इसके अलावा पंजशीर में नूरिस्ध्तानी, पशई जैसे समुदायों के लोग भी रहते हैं। साल 1996 की बात है, अफगानिस्तान के सभी प्रांत तालिबान के कब्जे में आ चुके थे। अब उनकी नजर राजधानी काबुल पर थी। जिस पर कब्जे का मतलब सत्ता का एकाधिकार। जनवरी 1996 तक तालिबान काबुल को घेरकर बैठ चुका था।

लेकिन अचानक एक दिन तालिबान के अड्डे में हड़कंप मचा क्योंकि एक व्यक्ति तालिबान के नेताओं से बातचीत करने पहुंचा था। दरवाजे पर उसे रोका गया लेकिन जब उसने अपना नाम बताया तो सभी हैरान रह गए। वो शख्स था अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार में रक्षा मंत्री अहमद शाह मसूद। सोवियत के साथ लड़ाई में मसूद मुजाहिद बनकर आया था। उनकी बहादुरी की कस्मे खाई जाती थी। कहते हैं कि सोवियत सेना नौ बार पंजशेर घाटी में घुसी लेकिन हर बार हार कर लौटना पड़ा। वही मसूद उन दिन बिना किसी सुरक्षा के अकेले तालिबान के गढ़ में पहुंच गए। मसूद ने कहा तुम लोग अफगानिस्तान में इस्लामिक शासन चाहते हो, मैं भी यही चाहता हूं। हम साथ मिलकर सरकार चला सकते हैं। ऐसी सरकार जो उदार और विदेश प्रभुत्व से परे हो। लेकिन ये सारी बातें तालिबानी नेता के सर के ऊपर से निकल गई। मसूद लौट आए। मसूद का मानना था कि अब दो ही रास्ते बचे हैं या तो तालिबान के आगे सिर झुका ले या फिर संघर्ष करते शहीद हो जाए। अहमद शाह मसूद ने दूसरा वाला रास्ता चुना। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अहमद शाह मसूद अपने गढ़ पंजशेर चले गए और जहां से उन्होंने अपने विश्वासपात्रों के साथ नार्थन अलायंस का गठन किया। इस फ्रंट को ईरान, भारत, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की तरफ से समर्थन भी मिला था। जब तालिबान अपने पूरे शबाब पर था तब भी वो पंजशेर को नहीं जीत पाया।

पंजशीर में उत्तरी गठबंधन का झंडा भी लहरा रहा

अहमद शाह मसूद को 9ध्11 हमले के पहले अलकायदा और तालिबान ने साजिश रच कर मार दिया था। इसके बाद से यहां पर एंटी तालिबान फ्रंट तैयार किया जा रहा है। पंजशीर में उत्तरी गठबंधन का झंडा भी लहराता देखा गया है। उत्तरी गठबंधन एक मिलिट्री फ्रंट है जिसका गठन 1996 में हुआ था। तालिबान के खिलाफ लड़ने वाले इस फ्रंट को ईरान, भारत, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की तरफ से समर्थन भी मिला था। 1996 से 2001 के बीच तालिबान इसी फ्रंट की वजह से पूरे अफगान पर कब्जा नहीं कर पाया था। पंजशीर के लोगों को युद्ध से डर नहीं लगता। अब हालात ऐसे हैं कि कभी भी हथियार उठाने पड़ सकते हैं।

जापान की नाओमी ओसाका की वापसी, एक सेट से पिछड़ने के बाद कोको गॉ से जीती

मेसन। जापान की नाओमी ओसाका ने एक सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका की 17 वर्ष की कोको गॉ को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चौम्पियन ओसाका ने बुधवार को यह मुकाबला 4 . 6, 6 . 3, 6 . 4 से जीता। यह मई में फ्रेंच ओपन के बाद डब्ल्यूटीए टूर पर उनका पहला टूर्नामेंट है। मानसिक स्वास्थ्य कारणों से मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में भाग लेने से इनकार करते हुए ओसाका ने फ्रेंच ओपन बीच में ही छोड़ दिया था और विम्बलडन से नाम वापिस ले लिया था। वह तोक्यो ओलंपिक में अंतिम 16 से बाहर हो गई थी। अन्य मैचों में शीर्ष रैंकिंग वाली एशले बार्टी ने हीदर वाटसन को 6 . 4, 7 . 6 से हराया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम एंजेलिक करबर ने चौथी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को मात दी। सिमोना हालेप ने दाहिनी जांघ में चोट के कारण नाम वापिस ले लिया। पुरूष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने वाइल्ड कार्ड्धारी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6 . 2, 6 . 2 से हराया। वहीं तीन बार के ग्रैंडस्लैम चौम्पियन एंडी मर्रे को नौवी वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुरकाज ने मात दी। ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक विजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव और बेलिंडा बेंचिच और दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास भी अगले दौर में पहुंच गए। दो बार की ग्रैंडस्लैम चौम्पियन गार्बाइन मुगुरूजा और पांचवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना प्लिसकोवा ने भी जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान में तालिबान ने अपने पैर पसारे, इस्लामिक अमीरात का भी किया गठन

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अब इस्लामिक अमीरात के गठन की खबर सामने आ रही है। बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान में इस्लामिक अमीरात की स्थापना की है। इस दौरान तालिबान के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने कई देशों के साथ व्यापार बंद करने की खबरों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि किसी देश के साथ व्यापार करने की बात नहीं की है। काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। जिसके बाद तालिबानियों ने राष्ट्रपति भवन में कब्जा कर लिया था। धीरे–धीरे तालिबान ने पूरे मुल्क में ही अपना पैर पसार लिया और कहा कि जल्द ही इस्लामिक अमीरात की घोषणा की जाएगी। हालांकि तालिबान ने गुरुवार को इसकी घोषणा भी कर दी। तालिबान के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने कहा था कि इस्लामिक अमीरात दुनिया के तमाम देशों से वादा कर रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी मुल्क के खिलाफ नहीं किया जाएगा। जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा था कि संगठन के लड़ाके किसी से बदला नहीं लेना चाहते और सभी को माफी दे दी गई है। उन्होंने कहा था कि तालिबान चाहता है कि निजी मीडिया स्वतंत्र रहे, लेकिन उसने इस बात को विशेष तौर पर रेखांकित किया कि पत्रकारों को देश के मूल्यों के खिलाफ काम नहीं करना चाहिए।

अधिकतम वादों के निस्तारण के लिए हुई बैठक

जौनपुर। 11 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन स्तर पर बैंक वसूली के अधिकाधिक वादों का निस्तारण के सम्बन्ध में नोडल अधिकारी लोक अदालत, रमेश दूबे की अध्यक्षता में विचार विमर्श हेतु सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर श्रीमती शिवानी रावत के द्वारा बैंक पदाधिकारियों के साथ विश्राम कक्ष, एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय में बैठक की गयी। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोक अदालत के माध्यम से वाद निस्तारण के लाभों को बताते हुए बैंक पदाधिकारी गण को योग्य मामलों में शीघ्र चिन्हित कर उनको समय से नोटिस प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित प्रबन्धक गण द्वारा बताया गया कि ऋणी को नोटिस प्रेषित किये जाने हेतु वाद चिन्हित कर लिये गये है, प्राथमिकता के आधार पर नोटिस तैयार की जा रही है, जल्द ही उचित माध्यम से प्रेषित कर अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराया जायेगा।बैठक में नोडल अधिकारी लोक अदालत, द्वारा समस्त बैंक प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया व्यक्तिगत रूचि लेते हुए आगामी लोक अदालत में अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें तथा यदि किसी भी प्रकार कि कोई समस्या हो तो मुझे अवगत कराये, उसका समाधान कराया जायेगा। इस पर शाखा प्रबन्धकगण द्वारा निस्तारण में पूर्ण सहयोग हेतु प्रतिबद्धता जाहिर की गयी तथा अधिकतम मामलों के निस्तारण का आश्वासन दिया गया। यूनियन बैंक आफ इण्डिया, बैंक आफ बड़ौदा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के शाखा प्रबन्धकगण उपस्थित हुए।

पाकिस्तान के बहावलनगर में बड़ा धमाका, 3 लोगों की हुई मौत, 50 से अधिक हुए जख्मी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बहावलनगर में मुहर्रम के दौरान

बड़ा धमाका हुआ है। इस धमाके में 50 से ज्यादा लोगों के जख्मी होने की जानकारी मिल रही है। बता दें कि मुहर्रम के मौके पर शिया समुदाय के लोग जुलूस निकाल रहे थे, तभी अचानक से बड़ा धमाका हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक धमाके में जख्मी हुए लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धमाका कैसे हुआ, इसकी अभी जानकारी नहीं मिल पाई है।स्थानीय पुलिस के मुताबिक जुलूस के दौरान बड़ा धमाका हुआ। जिसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि 50 से ज्यादा लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। इससे पहले कराची में धमाका हुआ था। 15 अगस्त की शाम को अज्ञात हमलावरों ने एक ट्रक को निशाना बनाकर हैंड ग्रेनेड से हमला किया था। जिसकी वजह से 11 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि कई लोग जख्मी हुए थे।

सम्मान समारोह के लिए तीन बसे रवाना

जौनपुर । टोक्यो ओलम्पिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम 19 अगस्त को अपरान्ह तीन बजे से पांच बजे तक भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम लखनऊ में टोक्यो ओलम्पिक में भाग लेने वाले एवं मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रम में जौनपुर से 50 युवक व महिला मंगल दल पदाधिकारी तथा 75 खिलाड़ी यथा संभव द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 विभाग से 25 युवक मंगल दल एव 25 महिला मंगल दल के पदाधिकारी साथ ही 75 खिलाड़ियों को रोडवेज की 03 बसो से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर लखनऊ के लिए रवाना किया गया। सचिव रेडक्रास सोसाइटी डा. मनोज वत्स के द्वारा खिलाड़ियों को 02–02 मास्क एवं सेनेटाइजर वितरित किया गया। युवक व महिला मंगल दल के बस में लखनऊ जाने हेतु दो क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप कुमार मिश्र एवं स्वाती पाण्डेय की ड्यूटी लगाई गई है जो कि साथ–साथ रहेंगे। प्रतिभागियों को जाते समय मास्क, सेनेटाइजर, लंच पैकेट, बोतल का पानी आदि उपलब्ध कराया गया। लखनऊ में रूकने एवं भोजन आदि की व्यवस्था वहॉ के प्रशासन द्वारा की गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सी.ओ. सिटी उपक्रीड़ाधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार अपने समस्त स्टॉफ के साथ उपस्थित रहे।

कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय ने महासभा राजनीतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 इन्द्रसेन श्रीवास्तव मुन्ना को मेन बॉडी कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है । उनके मनोनयन पर जिलाध्यक्ष नीलमणी श्रीवास्तव के नेतृत्व में सैकड़ो चित्रांश बंधुओं के साथ उनके आवास होटल तारा इन पहुचकर गाजा बाजा माल्यापर्ण बुके देकर जोरदार स्वागत किया व माल्यापर्ण कर शुभकामनाएं दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि डॉ इन्द्रशेन को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर राष्ट्रीय नेतृत्व ने जौनपुर का मान सम्मान बढ़ाया है जिससे जनपद वासी गौरवान्वित महसूस कर रहे है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कायस्थ महासभा को उत्तर प्रदेश में एक नई पहचान दिलाने की कोशिश करूंगा गाजियाबाद से गाजीपुर तक हर जिले हर तहसील में कायस्थ महासभा का विस्तार किया जायेगा। वरिष्ठ डॉक्टर मनमोहन श्रीवास्तव ने कहा कि आज जनपद में कायस्थों को एक और सम्मान मिला है महासभा से लोगो का जुड़ाव तेजी से हो रहा है।संरक्षक बजरंग प्रसाद श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव बच्चा ,श्रीकांत श्रीवास्तव , अमित कुमार श्रीवास्तव , , राकेश श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव , आमोद सिन्हा, सन्तोष श्रीवास्तव, व, डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव प्रियंका श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी शरद श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव,विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार मीडिया प्रभारी अंकित श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

चेहरे पर भूल से भी न लगाएं नींबू का रस, हो सकती हैं ये समस्याएं

कई लोग चेहरे पर नींबू के रस का इस्तेमाल घरेलू नुस्खे के रूप में करते हैं, लेकिन इससे चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंच सकता है। दरअसल, नींबू से त्वचा का पीएच स्तर काफी अधिक हो जाता है जो चेहरे के लिए मुसीबत बन सकता है, इसलिए इसे चेहरे पर सीधे न लगाएं, बल्कि किसी फेस पैक में मिलाकर इसका इस्तेमाल करें। आइए जानते हैं कि चेहरे पर नींबू का रस लगाने से कौन–कौन सी समस्याएं हो सकती हैं।

चेहरे को बहुत संवेदनशील बना सकता हैः नींबू साइट्रिक एसिड से युक्त होता है। ऐसे में अगर आप नींबू के रस को सीधा चेहरे पर लगाते हैं तो चेहरा बहुत ज्यादा संवेदनशील हो सकता है जो कि सही नहीं है। इसके अलावा जिन लोगों की त्वचा पहले से ही संवेदनशील है, उनकी त्वचा की संवेदनशीलता को नींबू का रस और ज्यादा बढ़ा सकता है और फिर इससे चेहरे को लालिमा, खुजली और जलन जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कील–मुंहासों का बन सकता है कारण

चेहरे पर सीधे नींबू का रस लगाने से मुंहासों की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, नींबू के रस में मौजूद साइट्रिक एसिड चेहरे के पीएच स्तर को बिगाड़ देता है जिसके कारण मुंहासे निकल सकते हैं। हालांकि कुछ लोगों के लिए नींबू का रस मुंहासों का इलाज बन सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने मुंहासों पर नींबू का रस लगाने से पहले डॉक्टर की सलाह लें।

चेहरे पर रूखापन झलकना

नींबू का रस सीधा लगाने से चेहरे की कोमल त्वचा को अधिक रूखेपन की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है। दरअसल, नींबू के रस में मौजूद साइट्रिक एसिड चेहरे के नेचुरल ऑयल को खत्म कर देता है जिससे त्वचा पर रूखापन झलकने लगता है। इसलिए चेहरे पर कभी भी नींबू का रस सीधा न लगाएं और अगर आपका चेहरा पहले से रूखा है तो नींबू के रस से दूरी बना लेना ही आपके लिए अच्छा है।

लालिमा, खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैंः चेहरे पर सीधे नींबू का रस लगाने से लालिमा, खुजली और जलन जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, नींबू का रस चेहरे के प्राकृतिक बैरियर को खराब कर सकता है जिसके कारण बाहरी प्रदूषकों जैसे गंदगी, कीटाणुओं और यूवी किरणों आदि से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है और लालिमा, खुजली और जलन आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं। बेहतर होगा कि आप नींबू का रस हमेशा पानी या शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

हिबा नवाब ने जीजाजी छत पर कोई है के साथ अपने शरारती पक्ष के बारे में बताया

अभिनेत्री हिबा नवाब जीजाजी छत पर कोई है में सीपी शर्मा और भूत का किरदार निभाकर खूब मस्ती कर रही हैं। भूमिका ने उसे अपने शरारती पक्ष का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अभिनेत्री अपने बढ़ते हुए सालों को याद करती है कि कैसे वह एक बच्चे के रूप में भी पहचाने जाने के लिए तरसती थी, लेकिन चाहे वह उसके स्कूल में हो या अपने इलाके में, उस पर शायद ही ध्यान दिया गया हो। वो कहता हैं, मैं स्कूल में एक प्रसिद्ध बच्ची नहीं थी। मैं बहुत शांत रहती। लेकिन घर पर, मैं हमेशा से सभी की पसंदीदा रही हूं। टेलीविजन में शामिल होने के बाद लोगों ने मुझे नोटिस करना शुरू कर दिया। जब मैंने इस शो को करना शुरू किया तो मेरा शरारती पक्ष सामने आया। मुझे लगा जैसे मैं डबल रोल करते हुए अपने ट्रू सेल्फ के संपर्क में आ गई हूं। वह कहती हैं कि, मुझे खुशी है कि कम से कम शो के माध्यम से, मुझे अपने इस पक्ष का पता लगाने का मौका मिला। वास्तव में, जब मैंने इलाइची (जीजाजी छत पर हैं) खेलना शुरू किया, तो मुझे लगा कि मैं उसकी तरह क्यों नहीं हूं? इलायची की भूमिका बहुत मजेदार है। जीजाजी छत पर कोई है सोनी सब पर प्रसारित होता है।

आयुष शर्मा को विक्रम बत्रा के किरदार में देखना चाहते थे सलमान

फिल्म शेरशाह हाल में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को खूब वाहवाही मिल रही है। उन्होंने फिल्म में कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन विक्रम बत्रा के किरदार को निभाया था। फिल्म में उन्होंने कैप्टन विक्रम के किरदार से सभी का दिल जीत लिया था। अब फिल्म के प्रोड्यूसर शब्बीर बॉक्सवाला ने खुलासा किया है कि सलमान खान अपने बहनोई आयुष शर्मा को फिल्म में विक्रम के किरदार में देखना चाहते थे।

सलमान ने शेरशाह में अपने बहनोई आयुष को कैप्टन विक्रम के रोल में कास्ट करने के लिए उनसे संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि फिल्म में इस भूमिका के लिए सिद्धार्थ को पहले ही फाइनल कर लिया गया था। इसी वजह से आयुष को यह प्रोजेक्ट ऑफर नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि सलमान चाहते थे कि यह बॉलीवुड में आयुष की डेब्यू फिल्म हो।

शब्बीर ने कहा, सलमान ने मुझसे उस समय संपर्क किया था, जब मैं जंगली पिक्चर्स के साथ बातचीत कर रहा था। वह चाहते थे कि शेरशाह आयुष की पहली फिल्म हो। वह इस प्रोजेक्ट में मेरे साथ साझेदारी करना चाहते थे। विक्रम के परिवार ने सिद्धार्थ को लीड भूमिका निभाने के लिए पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। उन्होंने कहा कि अभिनेता और विक्रम के परिवार के बीच एक मीटिंग की व्यवस्था भी कर दी गई थी।

शब्बीर ने कहा कि सिद्धार्थ को किसी अन्य अभिनेता के साथ रिप्लेस करना अनैतिक होता। उन्होंने इस संबंध में कहा, कैप्टन विक्रम के परिवार ने मुझे अधिकार दिए और मुझ पर विश्वास दिखाया। इसके बाद मैं गलत नहीं होना चाहता था। मैंने सलमान को स्थिति के बारे में बताया और उन्होंने भी इस परिस्थिति को समझा। आयुष ने फिल्म लवयात्री के साथ अपना डेब्यू किया है। सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म में वरीना हुसैन नजर आई थीं।

शेरशाह का निर्देशन विष्णुवर्धन द्वारा किया गया है। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस ने किया है। फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा कियारा आडवाणी, जावेद जाफरी और शिव पंडित भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म हमें कारगिल युद्ध के नायक विक्रम बत्रा से मिलवाती है। उनका बचपन कैसा रहा, जवानी में उन्होंने क्या सपना देखा और कैसे अपना सपना साकार किया, ये सब फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म की कहानी कारगिल युद्ध के हीरो विक्रम के जीवन के इर्दगिर्द बुनी गई है। विक्रम का जन्म 9 सितंबर, 1974 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ था। उन्होंने सैन्य जीवन की शुरुआत 6 दिसंबर, 1997 को भारतीय सेना की 13 जम्मू–कश्मीर राइफल्स से की थी। उन्होंने कारगिल के युद्ध में देश के लिए अपना जान न्योछावर किया था। विक्रम को अदम्य साहस के लिए 15 अगस्त, 1999 को वीरता का सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से नवाजा गया था।

भूतों को पकडने निकल पड़े सैफ और अर्जुन, भूत पुलिस का ट्रेलर रिलीज

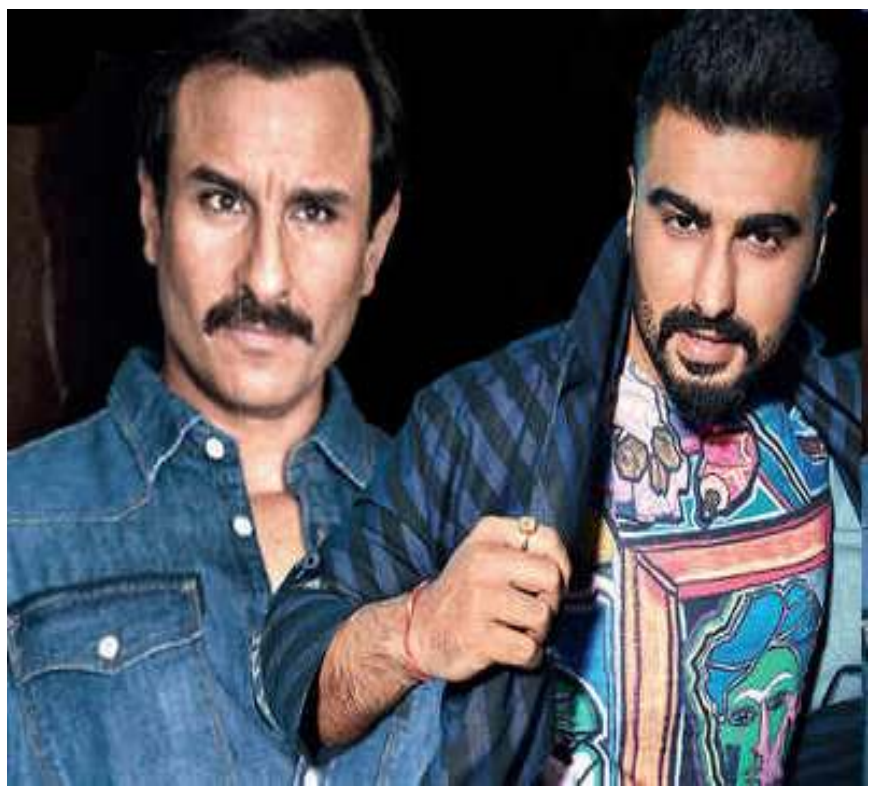

भूत पुलिस सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की आगामी बहुचर्चित फिल्मों में शुमार है, जिसका इंतजार दर्शकों को बेसब्री से है। अब यह फिल्म एक बार फिर चर्चा में है और हो भी क्यों ना, इसका ट्रेलर जो रिलीज हो गया है, जो हॉरर और कॉमेडी का परफेक्ट डोज है। हर कोई एक अलग भूमिका में नजर आ रहा है और हर किसी ने अपना किरदार बखूबी पर्दे पर उतारा है।

ट्रेलर की शुरुआत सैफ और अर्जुन की शानदार एंट्री से होती है, जहां इसमें एक तरफ सैफ का मजाकिया अंदाज देखने को मिल रहा है, वहीं, अर्जुन गंभीर भूमिका में नजर आ रहे हैं। सैफ और अर्जुन भूत भगाने की तैयारी में हैं। उनके बाद यामी गौतम और जैकलीन फर्नांडिस की भी एंट्री हो जाती है। इस फिल्म की कहानी भूतों को पकडने वाले भाइयों विभूति और चिरौंजी के इर्द–गिर्द घूमती है। ये किरदार सैफ और अर्जुन निभा रहे हैं। इस फिल्म में यामी गौतम, जैकलीन फर्नांडिज और जावेद जाफरी भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है, जबकि इसका निर्माण रमेश तौरानी और आकाश पुरी ने किया है। यह फिल्म 17 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की जा रही है। भूत पुलिस पहले सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे ह्न्ज्जज्ज प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का फैसला किया गया।

इस फिल्म की घोषणा 2019 में की गई थी। फिल्म के बड़े हिस्से को कोरोना महामारी के दौरान डल्हौजी, धर्मशाला और जैसलमेर में शूट किया गया है। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई में हुई है। 5 फरवरी को फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। पहले सैफ, अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ इस फिल्म की घोषणा की गई थी। इसके बाद फिल्म में अली और फातिमा की जगह अर्जुन व जैकलीन को शामिल किया गया। सैफ जल्द ही फिल्म आदिपुरुष में नजर आएंगे। फिल्म में वह लंकेश की भूमिका निभा रहे हैं। ओम राउत के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास और कृति सैनन मुख्य भूमिका में हैं। सैफ को फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा जाएगा। इसमें उनकी जोड़ी रानी मुखर्जी के साथ बनी है। अर्जुन जल्द ही फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। अर्जुन निर्देशक अजय बहल की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म में भी नजर आ सकते हैं।

एक्वेरियम से पानी के जिद्दी दाग साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

एक्वेरियम दिखने में जितना खूबसूरत लगता है, उसकी देखभाल करना उतना ही मुश्किल काम होता है। दरअसल, कांच के एक्वेरियम पर बहुत जल्दी पानी के जिद्दी दाग लग जाते हैं जिसके कारण यह बहुत गंदा लगने लगता है। अगर आपको भी अक्सर इसी समस्या का सामना करना पड़ता है और एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों को साफ करने में आपको थोड़ी मुश्किल होती है तो इन तरीकों को अपनाकर आप इस काम को आसान बना सकते हैं।

सफेद सिरके का करें इस्तेमाल

एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों को साफ करने के लिए सफेद सिरके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले एक कटोरी में सफेद सिरका और नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरें। इसके बाद इस मिश्रण का छिड़काव पानी के जिद्दी दागों पर करें और इसे तीन मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में एक्वेरियम को एक साफ कपड़े से पोंछ दें।

टूथपेस्ट करेगा मददः टूथपेस्ट की मदद से भी एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों को साफ किया जा सकता है। इसके लिए पहले एक मुलायम तौलिये या फिर कपड़े पर थोड़ा टूथपेस्ट लगाएं। अब पानी के जिद्दी दागों पर इस कपड़े को गोलाकार गति में रगड़कर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद एक गीले कपड़े से एक्वेरियम को पोंछें और अंत में एक सूखे कपड़े से इसे पोंछ लें।

एसिड क्लीनर का लें सहारा

एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आप एसिड क्लीनर्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं जो आसानी से आपको बाजार से मिल जाएंगे। इसके लिए पहले एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों पर एसिड क्लीनर का छिड़काव करें। आप चाहें तो इसे रगडने के लिए सॉफ्ट स्पॉन्ज का भी इस्तेमाल सकते हैं। अंत में एक गीले मुलायम तौलिये से एक्वेरियम को पोंछकर साफ कर लें।

पानी और नमक का मिश्रण आएगा कामः नमक और पानी का मिश्रण भी एक्वेरियम पर लगे पानी के जिद्दी दागों को प्रभावी ढंग से साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए पहले एक कप पानी में एक बड़ी चम्मच नमक मिलाकर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरें। अब इस मिश्रण का छिड़काव पानी के जिद्दी दागों पर करके कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में एक गीले कपड़े से एक्वेरियम को पोंछें और एक सूखे कपड़े से इसे साफ करें।